चौथा दिन (टापिक 4)

वैज्ञानिक खोजों में भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों का योगदान

भारतीय वैज्ञानिक का नाम	विज्ञान के क्षेत्र में योगदान
जगदीश चंद्र बोस	पौधों की संवेदनशीलता
सर सी. वी. रमन	प्रकाश का प्रकीर्णन (रमन प्रभाव)
एस. रामानुजम	संख्या सिद्धांत
एस. एन. बोस	क्वाण्टम मैकेनिक्स, गाड पार्टिकल
मेघनाद साहा	तापीय आयनीकरण (साहा समीकरण)
टी. आर. शेषाद्रि	आरगेनिक कैमेस्ट्री (औषधि विज्ञान)
होमी जहांगीर भाभा	परमाणु, कास्मिक विकिरण
विक्रम साराभाई	अंतरिक्ष अनुसंधान
डा. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम	प्रक्षेपणशास्त्र, मिसाइल (प्रक्षेपण)
डा. कस्तूरी रंगन	प्रक्षेपणशास्त्र
डा. हरगोविन्द खुराना	आनुवंशिकी कोड की स्थापना
सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर	खगोल विज्ञान
कल्पना चावला	अंतरिक्ष वैज्ञानिक

विदेशी वैज्ञानिक का नाम	विज्ञान के क्षेत्र में योगदान
एडवर्ड जेनर	रोगों से रक्षा हेतु वैक्सीन
अलेक्जेंडर फ्लेमिंग	पेनिसिलिन
मैडम क्यूरी	रेडियम और पोलोनियम
गैलीलियो गैलेली	दूरबीन
थामस एडीसन	ग्रामोफोन एवं विद्युत
गुल्येल्यो मारकोनी	रेडियो
आटो हान	परमाणु बम
सर आइजेक न्यूटन	गुरुत्वाकर्षण
एलेसान्ड्रो वोल्टा	विद्युत सेल
माइकल फैराडे	डायनमों
विलियम रौंजन	एक्स रे
जान लोगी बेयार्ड	टेलीविजन (टी. वी.)
अल्बर्ट आइंस्टीन	फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव

टापिक 4 से सम्बंधित प्रश्न:-

1)औषधि विज्ञान के क्षेत्र में किस वैज्ञानिक का योगदान रहा?
2)मिसाइल मैन के नाम से किस वैज्ञानिक को जाना जाता है?
3)दो अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के नाम बताइये।
4)पौधों की संवेदनशीलता के क्षेत्र में किस वैज्ञानिक का योगदान रहा?
5)डा० हरगोविंद खुराना का विज्ञान के किस क्षेत्र में योगदान रहा?
6)ग्रामोंफोन और विद्युत के आविष्कारक कौन हैं?
7)अल्बर्ट आइंस्टीन का विज्ञान के किस क्षेत्र में योगदान रहा?
8)रेडियो के आविष्कारक का नाम बताइये।
9)टेलीविजन के आविष्कार में किस वैज्ञानिक का योगदान रहा?
10)सर आइजेक न्यूटन का विज्ञान के किस क्षेत्र में योगदान रहा?

टापिक 3 के प्रश्नों का उत्तर:-

1)विज्ञान ने
2)नहीं
3)नहीं, इसके दुरुपयोग/असंयमित उपयोग से अनेक समस्याएं भी उत्पन्न हुई है।
4)पर्यावरण असंतुलित और प्रदूषित हो रहा है।
5)मृदा प्रदूषण एवं जल प्रदूषण का
6)वायु प्रदूषण और क्लोरो फ्लोरो कार्बन की मात्रा में वृद्धि
7)रेफ्रिजरेटर तथा एयर कंडीशनर में प्रयुक्त गैसें
8)सिर दर्द, दमा, अस्थमा आदि
9)वाहनों का धुआं
10)एडूसेट (EDUSAT) नामक शैक्षिक उपग्रह द्वारा

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-
अखिलेश कुमार
स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, रानीपुर, मऊ

मुद्रा

बच्चों आप सबने ₹5 या ₹10 का सिक्का अवश्य देखा होगा। इसे ही मुद्रा कहा जाता है। प्राचीन काल में नोट नहीं होते थे ऐसा माना जाता है। क्योंकि नोट का कोई साक्ष्य अभी तक नहीं मिला है। ना ही किसी साहित्य में नोट जैसी वस्तु का वर्णन है। सिक्के अथवा मुद्रा इतिहास की जानकारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। मुद्राओं से तत्कालीन शासक या राजा का नाम, उसका समय, मुद्रा के आकार प्रकार से उस समय की कला, मुद्रा की धातु से राज्य की आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त होती है। साथ ही मुद्रा व सिक्कों के प्राप्ति स्थल से शासक के साम्राज्य विस्तार का भी पता चलता है।

गुप्त शासक कुमारगुप्त प्रथम को इस सिक्के पर घुड़सवारी करते हुए देखकर हम कह सकते हैं कि वह एक अच्छे घुड़सवार थे।

हड़प्पा कालीन मुहरें मेसोपोटामिया से मिली हैं जिससे ज्ञात होता है कि हड़प्पा वासियों का व्यापार मेसोपोटामिया से होता था।

मुहर

मुहर से तात्पर्य ठप्पा से है।जिस प्रकार आजकल बड़ी कंपनियाँ अपने सामानों के पैकिंग बॉक्स के ऊपर अपनी पहचान के लिए कंपनी का ठप्पा लगाती हैं उसी प्रकार प्राचीन काल में भी व्यापारी अपनी वस्तुओं पर मुहर लगाते थे। मुहर के प्राप्ति स्थलों से व्यापार के विस्तार का पता चलता है।

अभ्यास प्रश्न

प्र0-1 मुद्रा का क्या अर्थ है?
प्र0-2 मुहर का क्या अर्थ है?
प्र0-3 मुद्रा के प्राप्ति स्थल से से क्या पता चलता है?
प्र0-4 प्राचीन काल में व्यापारी अपने सामान की पहचान के लिए क्या करते थे?

पेज नं0- 2 के उत्तर

(1) तीन। पुरातात्विक स्रोत, मुद्रा व अभिलेख, साहित्यिक स्रोत।
(2) अन्य लोग नई बस्ती बसाते थे।
(3) टीले का
(4) बस्तियों के अवशेष।
(5) उस समय के सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक जीवन का।

(भाग 3) حصہ ۳ अनुवाद نظم کی تشریح

بچوں آج کے سبق میں ہم نظم کے آخری حصے کو پڑھیں گے۔ شاعر کہتے ہیں کہ جب لوگ گرمی سے پریشان ہو گئے تو خدا آپ نے بارش بھیج دیں اور جب بارش سے لوگ پریشان ہوگئے آپ کے حکم سے پچھوا ہوا چلی اور جب لوگ سردی سے پریشان ہو گئے تو آپ نے بہار کا موسم بھیج دیا اے خدا تو بڑا مہربان ہے تو یوں ہی روتی بدلتا رہتا اور ہم سب کی تکلیف کو دور کرتا ہے اے خدا تیری مشکل کشائی سے ہم سب شکر گزار ہیں۔

बच्चों आज हम इस सबक में नज़्म का आख़री हिस्सा पड़ेंगे. शायर कहते है की ऐ खुदा (भगवान)तू बड़ा मेहरबान है जब लोग गर्मी से परेशान हुए तूने बरसात भेज दी,और जब बरसात से उकता गए तो जड़ा आ गया और जब लोग सर्दी से परेशान हुए तो बहार का मौसम भेज दिया |
ऐ खुदा तू यू ही रुत बदलता रहा और हमारी मुश्किलों को दूर करता रहा और आखिर में शायर कहता है की ऐ खुदा तेरी मेरबानी पर हम सब तेरे शुक्रगुज़ार है |

नज़्म का मक़सद مقصد

نظم کا مقصد یہ ہے کہ جس طرح سے خدا ہماری مدد کرتا ہے ہم بھی سبھی کی مدد کریں

नज़्म का मकसद यह है कि जिस तरह से खुदा हमारी मदद करता है हम भी दूसरों की मदद करें

گھر کا کام۔

سوال ۔ پوری نظم کو زبانی یاد کریں اور اپنی کاپی میں لکھیں؟

पूरी नज़्म को जबानी याद करो और लिखो?

خدا کی شان

گے جب مینہ۔سے لوگ۔سب گھبرا
حکم سے تیرے چل پڑی پچھوا
جاڈا آ پہنچا اور گئ برثات
دم کے دم میں پلڈ گئے دن رات
پھر لگی پڈنے جب بہت سردی
شکل آسان تونے پھر کر دی
جاڈا آخر ہوا اور آئ بہار
جنگل اور ڈیلے ہو گے گلزار
تو یوں ہی رت پہ رت بدلتا رہا
یوں ہی دنیا کا کام چلتا رہا
کی سدا تونے مشکل آساں
یرے مشکل کشائ کے قربان

**गए जब मेह से लोग सब घबरा
हुक्म से तेरे चल पड़ी पछुआ|
जड़ा आ पहुंचा और गई बरसात
दम के काम में पलट गए दिन रात|
फिर लगी पड़ने जब बहुत सर्दी
मुश्किल आसान फिर तूने कर दी|
जड़ा आखिर हुआ और आई बाहर
जंगल और टीले हो गए गुलज़ार |
तू यूं ही रुत पे रुत बदलता रहा
यूं ही दुनिया का काम चलता रहा|
की सदा तूने मुश्किल आसान
तेरे मुश्किल कुशाई के कुर्बान|**

الفاظ ۔ معنی

1----مشکل کشائ۔ تکلیف دور کرنا

2-----میہ-----بارش

पेज 2 के जवाब   پیج دو کے سوالوں کے جواب

جواب1-- خدا نے ہمیں آنکھیں ری دوکان دیئے بات کرنے کو زبان دی کام کرنے کو ہاتھ پاؤں دیے اور گھر میں جھگڑا بساط بنایا۔

جواب2-- خدا نہ دن کام کرنے کے لئے اور رات سونے کرنے کے لئے بنائ۔

جواب3-- گرمی کے بعد برسات کا موسم آتا ہے

तीसरा दिन (टापिक-3)

परम्परागत एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विभिन्न क्षेत्रों में विज्ञान की भूमिका

क्षेत्र	परम्परागत प्रयोग में आने वाले साधन	वर्तमान में विज्ञान की देन
1. भोजन	मिट्टी का चूल्हा, मिट्टी के पारम्परिक बर्तन, धातुओं से निर्मित बर्तन (लोहे)	गैस चूल्हा, विद्युत ओवन, सोलर कूकर, प्रेशर कुकर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन, नानस्टिक बर्तन, इन्डक्शन चूल्हा आदि
2. कृषि	हल, बैल, कुआँ, रहट, गोबर की खाद	ट्रैक्टर, नहरें, ट्यूबवेल, रासायनिक उर्वरक (यूरिया, फास्फेट, पोटाश) उन्नत बीज, कीटनाशक दवाएँ
3. यातायात	बैलगाड़ी, ताँगा, ऊँट, घोड़ागाड़ी, खच्चर आदि	साइकिल, कार, बस, स्कूटर, रेलगाड़ी, वायुयान, पानी का जहाज
4. मनोरंजन	नाटक, नौटंकी, बिरहा, कठपुतली, नृत्य आदि	रेडियो, ट्रांजिस्टर, टेलीविजन, सिनेमा, वीडियो गेम, डी.वी.डी. आदि
5. संचार	संदेश वाहक, डाक द्वारा	टेलीफोन, मोबाइल, फैक्स, ई-मेल, कम्प्यूटर, टेलीग्राम, इंटरनेट आदि
6. चिकित्सा		
i)रोगों की जाँच हेतु	नाड़ी देखकर, अनुमान द्वारा	मलमूत्र तथा खून का परीक्षण, एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, सी.टी. स्कैन, इन्डोस्कोपी।
ii)उपचार हेतु दवाएँ	जड़ी-बूटी, झाड़-फूँक, घरेलू उपचार	एण्टीबायोटिक, एनालजेसिक, एण्टीसेप्टिक दवाओं एवं शल्य क्रिया द्वारा
7. शिक्षा	गुरुकुल प्रणाली/विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा पारम्परिक ढंग से अध्यापन	ओवर हेड प्रोजेक्टर, कम्प्यूटर, इंटरनेट, दूरस्थ क्षेत्र में स्थित छात्रों को राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय स्तर के योग्य शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापरक शिक्षा एडूसेट (EDUSAT) नामक शैक्षिक उपग्रह द्वारा
8. अंतरिक्ष	साधारण दूरबीन, वेधशालायें	चन्द्रयान-1, रडार, मंगलयान आदि
9. रक्षा	भाला, तलवार, तीर-धनुष, गदा आदि	बन्दूक, पिस्तौल, तोप, टैंकर, मिसाइल परमाणु बम आदि

विज्ञान के दुरुपयोग से उत्पन्न समस्याएँ:-

विज्ञान ने अनेक असम्भव लगने वाली बातों को भी सम्भव कर दिखाया है। जीवन का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा है जिसे विज्ञान ने प्रभावित न किया हो। विज्ञान से मनुष्य को जहाँ अपार सुविधाएँ प्राप्त हुई हैं, वहीं इसके दुरुपयोग / असंयमित उपयोग से अनेक समस्याएँ भी उत्पन्न हुई हैं। जैसे -

1) विज्ञान की प्रगति के फलस्वरूप यातायात के क्षेत्र मे पेट्रोल/ डीजल चालित वाहनों की वृद्धि के कारण पर्यावरण असंतुलित और प्रदूषित हो रहा है ।

2) रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशक दवाओं के उपयोग से कृषि उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुयी है, किन्तु अनुचित प्रयोग से मृदा प्रदूषण एवं जल प्रदूषण का संकट उत्पन्न हो गया है। नदियाँ प्रदूषित होती जा रही हैं और किसान के मित्र कहे जाने वाले केंचुआ, साँप आदि की संख्या घटती जा रही है।

3) भू-जल के असंयमित दोहन से भू-जल स्तर नीचे खिसकता जा रहा है जिससे कुएँ एवं तालाब सूखते जा रहे हैं।

4) तीव्र ध्वनियाँ उत्पन्न करने वाले संगीत, लाउडस्पीकर आदि से ध्वनि प्रदूषण उत्पन्न हो रहा है जिससे मानव मस्तिष्क पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

5) मानव बस्तियों में कूड़े-कचरे एवं अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण की समुचित व्यवस्था के अभाव में मानव जीवन संकट ग्रस्त हो रहा है।

6) रेडियोधर्मी विकिरण के कारण पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व का भय उत्पन्न हो गया है।

7) ओजोन पर्त में छिद्र वायु प्रदूषण के कारण है।

8) परमाणु ऊर्जा के अनुचित प्रयोग से ही हिरोशिमा एवं नागासाकी में पलक झपकते ही लाखों लोगों के जीवन का अन्त हो गया था।

9) रेफ्रिजरेटर तथा एअरकंडीशनर में प्रयुक्त गैसों से वायुमण्डल में क्लोरोफ्लोरो कार्बन की मात्रा में वृद्धि हो रही है जिससे ओजोन परत का निरन्तर क्षरण हो रहा है।

10) सड़कों पर दौड़ते वाहनों का धुँआ, पेट्रोल एवं डीजल के दहन से वायु में कार्बन डाइऑक्साइड एवं नाइट्रोजन के ऑक्साइड की वृद्धि हो रही है, जिससे सिरदर्द, दमा, अस्थमा आदि रोग हो रहे हैं।

टापिक 3 से सम्बंधित प्रश्न:-

1)किसने अनेक असम्भव लगने वाली बातों को भी सम्भव कर दिखाया है?
2)क्या जीवन का कोई ऐसा भी क्षेत्र बचा है जिसे विज्ञान ने प्रभावित न किया हो?
3)क्या विज्ञान से मनुष्य को केवल अपार सुविधाएं प्राप्त हुई हैं?
4)पेट्रोल/डीजल चालित वाहनों की वृद्धि के कारण क्या हो रहा है?
5)रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशक दवाओं के अनुचित प्रयोग से किसका संकट उत्पन्न हो गया है?
6)ओजोन परत के क्षरण का कारण क्या है?
7)क्लोरो फ्लोरो कार्बन की वृद्धि के कारक कौन है?
8)वायु में कार्बन और नाइट्रोजन के आक्साइड की वृद्धि से कौन से रोग हो रहे हैं?
9)वायु में कार्बन और नाइट्रोजन के आक्साइड की वृद्धि के कारक कौन है?
10)दूरस्थ क्षेत्र में स्थित छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा किस शैक्षणिक उपग्रह द्वारा दिया जा रहा है?

टापिक 2 का उत्तर:-

1)ट्रैक्टर व अन्य कृषि यंत्र जैसे थ्रेशर मशीन, सीड्ड्रील, हार्वेस्टर आदि
2)टेलीविजन व रेडियो द्वारा
3)गैस के चूल्हा द्वारा
4)रेलगाड़ी, कार, बस, तथा वायुयान
5)विज्ञान की खोजों के फलस्वरूप
6)विज्ञान ने
7)देश-विदेश में हो रही घटनाओं की जानकारी
8)टेलीविजन पर
9)टेलीफोन और मोबाइल फोन द्वारा
10)विज्ञान द्वारा

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार
स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, रानीपुर, मऊ

कविता से

निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए

१- जग जीवन में जो चिर महान
सौंदर्य पूर्ण औ सत्य -प्राण।

२- जिससे जीवन में मिले शक्ति
छूटे,भय ,संशय,अंधभक्ति।

नीचे 'क' वर्ग में दी गई कविता की पंक्तियों से संबंधित पंक्तियां 'ख'वर्ग में दी गई हैं।किंतु वे क्रम से नहीं है। पंक्तियों को मिलाइए-

'क'	'ख'
१- मैं उसका प्रेमी बनू नाथ!	मिल जाए जिसमें अखिल व्यक्ति
२- मैं वह प्रकाश बन सकूं नाथ!	फिर से नव जीवन का विहान
३- ला सकूं विश्व में एक बार	जो हो मानव के हित समान

इस कविता का शीर्षक 'चिर महान' है। आपको इस कविता का कोई और शीर्षक देना हो तो क्या शीर्षक देना चाहेंगे?लिखिए।

इन्हें भी जानें-

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताएं उसे 'विशेषण'कहते हैं ।जिसकी विशेषता बताई जाए उसे 'विशेष्य' कहते हैं जैसे- गाय हरी घास खाती है

इस वाक्य में 'हरी' शब्द घास की विशेषता को प्रकट करता है तो'हरी' शब्द विशेषण है और 'घास' शब्द विशेष्य है क्योंकि यहां पर हरी शब्द 'घास'की विशेषता प्रकट करता है।

उत्तरमाला पेज नं० 2

उ०१-मानवता की संपूर्ण सुरक्षा सुख समृद्धि और विकास के लिए।

उ०२-1- अच्छे गुण वाले शब्द- प्रकाश अमर दान सौंदर्य पूर्ण सत्य प्राण प्रेमी हित आदि।

2- दुर्गुण वाले शब्द- अंधभक्त संशय भय आदि।

गृह कार्य-

प्र०नं०१-संज्ञा और सर्वनाम की परिभाषा अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए ?

प्र०नं०२- 'चिर महान'कविता कोसुर, लय के साथ पढ़ने का अभ्यास करें। और उसके भावार्थ को उत्तर पुस्तिका पर लिखिए?

प्र०नं०३- कवि सुमित्रानंदन पंत जी का जीवन परिचय याद कीजिए?

प्र०४ ईश्वर भक्ति से संबंधित अन्य कविताओं का संकलन कीजिए।

विपरीतार्थक शब्द लिखो

अमृत= विष
अनुकूल= प्रतिकूल
सम्मान= अपमान
उन्नति= अवनति
स्वतंत्र= परतंत्र
मंगल= अमंगल
श्वेत= श्याम
शौक= हर्ष
सज्जन= दुर्जन

मिशन शिक्षण संवाद

There were two friends in a forest ,a mango tree and a banyan tree. They talked to each other and enjoyed all day long.
Every night lions and tigers used to sleep under them .The mango tree used to hate animals."I will drive them away,they roar loudly and smell bad,"he said.The banyan tree said,'Don't be so rude.We tree and animals need each other. We must live in harmony and help each other."

हिंदी अनुवाद
एक जंगल में दो दोस्त थे।एक आम का पेड़ और एक बरगद का पेड़। वे एक दूसरे से बातें करते और पूरे दिन मजा करते थे। हर रात बाघऔर शेर उनके नीचे सोते थे। आम का पेड़ जानवरों से नफरत करता था। उसने कहा 'मैं उन्हें भगा दूंगा, वे तेज दहाड़ते हैं और उनसे दुर्गंध आती है। बरगद के पेड़ ने कहा, "इतने अशिष्ट न बनो । हम पेडों और जानवरों को एक दूसरे की आवश्यकता है।हमें तालमेल से रहना चाहिए और एक दूसरे मदद करनी चाहिए।

शब्दार्थ

शब्द	उच्चरण	अर्थ
friends.	फ्रेंडस	दोस्त
forest.	फोरेस्ट	जंगल
enjoy	एंजोय	मजा
tigers	टाइगर	बाघ
all day long	आल डे लांग	दिनभर
rude	रूड	अशिष्ट
harmony.	हारमनी	तालमेल

अभ्यास कार्य

A. What did the mango tree and the banyan tree do all day long?
B.Why did the mango tree want to drive the animals away?
2. Choose the words from the box which mean the same
A.situation causing problem .....
B.living together in a friendly manner.....
C.anything done in a hurry.....
D.showing kindness to others.....
E.dividing something between two or more people.....

Answer sheet

1.
A. The mango tree and the banyan tree talked to each other and enjoyed all day long.
B. The banyan tree advised that the mango tree shouldn't be that rude because trees and animals must live in harmony and help each other.
2.
A . trouble
B. harmony
C. rushed
D. caring
E. sharing

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Anjani Agarwal ups semarua kanpur 9458278429

आइये आज हम 5, 3, 8, 1 में सभी अंकों का प्रयोग करके चार अंकों की सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या लिखेंगे

हल: हमारी सबसे बड़ी संख्या = 8531 (अंक अवरोही क्रम में लिखे गयी है।)
सबसे छोटी संख्या = 1358 (अंक आरोही क्रम में लिखे गयी है।)

अब हम अंकों 2, 3 एवं 8का प्रयोग करके चार अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या ज्ञात करेंगे|

हल : अंक तीन ही हैं किन्तु संख्या चार अंकों की है, अत: हजार एवं सैकड़े के स्थान पर 2, 3, 8 में सबसे बड़ा अंक 8 प्रयुक्त होगा। अतः सबसे बड़ी संख्या = 8832

अभ्यास प्रश्न-:

1.) 6, 7, 0, 5 से चार अंकों की सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या लिखिए।

2.) पाँच अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या लिखिए।

3.) 5231 में प्रत्येक अंक का स्थानीय मान ज्ञात कीजिए।

4.) 636 में दोनों 6 के स्थानीय मान ज्ञात कीजिए।

5.) 3334 में 3 के विभिन्न स्थानीय मानों का योगफल ज्ञात कीजिए।

6.) 22222 में प्रत्येक 2 का स्थानीय मान ज्ञात कीजिए और इनका योगफल ज्ञात कीजिए।

7.) 545 में प्रयुक्त प्रथम 5 तथा द्वितीय 5 के स्थानीय मानों का अन्तर ज्ञात कीजिए।

गतिविधि :-
इस चित्र में कितने जानवर हैं? गिनो और गिनकर अपनी कार्य पुस्तिका में लिखो।

कार्यपत्रक सं.2 की उत्तरमाला-
1.) 80
2.) 99
3.) 1006
4.) 99998
5.) कोई नहीं व 1

कार्यपत्रक संख्या- 3

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- कविता गुप्ता, अलीगढ़
9458278429

3

क: धावति? कौन दौड़ता है?
अश्व: धावति। घोड़ा दौड़ता है।
कौ धावत: कौन दो दौड़ते हैं?
अश्वौ धावत: दो घोड़े दौड़ते हैं।
के धावन्ति? कौन सब दौड़ते हैं?
अश्वा: धावन्ति। बहुत से घोड़े दौड़ते हैं।
क: खादति? कौन खाता है?
नर:खादति। आदमी खाता है।
कौ खादत: कौन दो खाते हैं?
नरौ खादत: दो आदमी खाते हैं।
के खादन्ति? कौन खाते हैं?
नरा खादन्ति। बहुत से आदमी खाते हैं।

●शब्दार्थ●

शब्द	-	अर्थ
क:		कौन
कौ		कौन दोनों /दो
के		कौन सब
अश्व:		घोड़ा
अश्वौ		दो घोड़े
अश्वा:		बहुत से घोड़े
नर:		एक आदमी
नरौ		दो आदमी
नरा:		बहुत से आदमी
खादति		एक खाता है।
खादत:		दो खाते हैं।
खादत:		बहुत से खाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।
अ. क: .....
ब. खादति.....
स. .....धावन्ति।
द. नरौ .....
2.संस्कृत में लिखिये।
अ. हाथी दौड़ता है।
ब. घोड़ा दौड़ता है।
स.कौन दो खाते हैं?
द.बहुत से नर दौड़ते हैं।

●उत्तरमाला अंक 2●

2. विसर्ग, 3. भारत वन्दना

अंक 2

श्लोक•

<u>*मातृभूमे!नमो मातृभूमे! नमः*</u>।
प्राणदे! त्राणदे! देवि! शक्ति प्रदे!
ऋद्धिदे! सिद्धिदे! भुक्तिमुक्तिप्रदे!
सर्वदे! सर्वदा देवि! तुभ्यं नमः।
मातृभूमे! नमो मातृभूमे! नमः।

सन्दर्भ- प्रस्तुत पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक "संस्कृत पीयूषम" के "भारत वन्दना"नामक शीर्षक से चयनित हैं।जिनके रचयिता 'पंडित वासुदेव द्विवेदी शास्त्री' जी हैं।

प्रसङ्ग- प्रस्तुत पंक्तियों में मातृभूमि की वन्दना की गयी है।

भावार्थ- हे मातृभूमि तुम्हे नमस्कार है! पवित्र मातृभूमि को नमस्कार है! सभी प्राणियों को प्राण देने वाली, सभी की रक्षा करने वाली, सभी को शक्ति प्रदान करने वाली, संपन्नता देने वाली,पूर्णता देने वाली भोग और मुक्ति अर्थात मोक्ष देने वाली,इस जगत को सब कुछ देने वाली देवी तुमको हर पल नमस्कार है। हे मातृभूमि तुम्हे नमस्कार है! मातृभूमि तुमको नमस्कार है।

शब्दार्थ

ऋद्धि	सम्पन्नता
सिद्धि	पूर्णता
मुक्ति	मोक्ष
सर्व	सब कुछ
सर्वदा	सदा
प्राणदे	प्राण देने वाली
त्राण	रक्षा
शक्तिदे	शक्ति प्रदान करने वाली

अभ्यास प्रश्न

1. इस संस्कृत श्लोक को कंठस्थ कीजिए।
2.नमः में लगे ' : ' चिह्न को क्या कहते हैं?
3. इस पाठ का क्या नाम है?
4.प्रस्तुत श्लोक का सन्दर्भ लिखिये।

उत्तरमाला अंक 1

4. पण्डित वासुदेव द्विवेदी 'शास्त्री'

मिशन शिक्षण संवाद

خدا کی شان-

آنکھ دی تونے دیکھنے کے لئے
کام کرنے کو ہاتھ پاؤں دیئے
بات کے سننےکو دیۓ دو کان
بات کہنۓ کو تونے بخشی زبان
دن بنایا کمائ کرنے کو
رات دی تونے نیند بھرنے کو
آئ موسم سے تنگ جب خلقت
تونے موسم کی دی بدل صورت
گرمیا ہو گئ اجیرن جب
تونے برسات بھیج دی یا رب
سب کے گرمی سے تھےخطا و اوسان
مینہ بر سنے سے آئ جان میں جان

खुदा की शान..दूसरा भाग

आँख दी तूने देखने के लिए
काम करने को हाथ पाँव दिए|
बात सुनने को दिए तूने दो कान
बात कहने को तूने बख्शी ज़बान|
दिन बनाया कमाई करने को
रात दी तूने नींद भरने को|
आई मौसम से तंग जब ख़लकत
तूने मौसम की दी बदल सूरत|
गर्मिया हो गई अजीरन जब
तूने बरसात भेज दी या रब|
सब के गर्मिया से ख़ताअवसान
मेह बरसाने से आई जान में जान|

शब्द अर्थ الفاظ و معین

1.اجیرن--دوبھر
2-خلقت---مخلوق-لوگ
3-اوسسان--ہوش وہواس
4-مینہ ---بارش

سیاق و سباق भावार्थ دوسرا حصہ

اس نظم میں خدا کی نعمتوں کا زکر کیا گیا ہیں جو اس نے ہمیں عتا کی ہیں-

इस नज़म में खुदा की तारीफ की गई है जो नेमतें उसने हमें दी उनका ज़िक्र किया गया है|

تشریح अनुवाद

مولانا حالی خدا کی تعریف کرتے ہوۓکہتے ہیں کی خدا نے ہم کو آنکھ دی, کان دیۓ, بولنے کو زبان دی, کام کرنے کو ہاتھ پاؤں دیۓ-دن بنایا کام کرنے کو رات دی آرام کرنے کو ایک موسم سے ہم اکتا نہ جاۓ اس لیۓ الگ الگ موسم دیۓ-

मौलना हाली इस नज़म में खुदा की तारीफ करते हुए कहते है की अपने हमें आंख दी कान दिए ज़बान दी हाथ पाँव दिए दिन बनाया काम करने के लिए रात बनाई आराम करने को अलग अलग मौसम दिए जड़ा गर्मी बरसात जिससे हमें परेशानी ना हो.

سوال-جواب अभ्यास कार्य

1-ان نعمتوں کا زکر کریں جو خدا نے بندوں کو عطا کی ہیں؟
2-خدا نے دن رات کس لۓ بناۓ؟
3-گرمی کے بعد کون سا موسم آتا ہیں؟

1.उन नेमतों का ज़िक्र करे जो खुदा ने बन्दों को आता की है?
2. खुदा ने दिन रात क्यों बनाया?
3.गर्मी के बाद कौन सा मौसम आता है?

جواب پیج1 کے पेज 1 के उत्तर.

جواب1--حالی کا پورا نام مولانا الطاف حسین حالی تھا-
जवाब1.. हाली का पूरा नाम अल्ताफ हुसैन हाली था|
جواب2--حالی11نومبر 1837 میں پانی پت میں پیدا ہوۓ
जवाब 2- मौलाना हाली 11 नवंबर 1837 में पैदा हुए|
جواب3--حالی کا انتقال 30سیتمبر1914 میں ہوا-
जवाब 4.हाली का इन्तेकाल 30 नवंबर 1914 में हुआ|
جواب-4-ہماری مشکل خدا دور کرتا ہیں ارو اس دنیا کو خدا نے بنا یا -
जवाब 4. हमारी मुश्किल खुदा(भगवान) दूर करता है और इस दुनिया को खुदा (भगवान) ने बनाया है |

प्राकृतिक संख्याएं

गिनती करने वाली संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 6, ..., ही प्राकृतिक या प्राकृत संख्याएँ कहलाती हैं।

1 सबसे छोटी एवं पहली प्राकृतिक संख्या है।

अनुवर्ती संख्या

किसी प्राकृतिक संख्या के ठीक बाद वाली प्राकृतिक संख्या उसकी अनुवर्ती संख्या उत्तरवर्ती संख्या होती है।

पूर्ववर्ती संख्या

प्राकृतिक संख्या से ठीक पहले वाली प्राकृतिक संख्या उसकी पूर्ववर्ती संख्या होती है।

कोई भी प्राकृतिक संख्या सबसे बड़ी प्राकृतिक संख्या नहीं होती है, क्योंकि उसकी अनुवर्ती संख्या उससे भी बड़ी होती है ।

1 किसी भी प्राकृतिक संख्या की अनुवर्ती प्राकृतिक संख्या नहीं है

क्रमागत संख्याएँ :-

क्रम से एक के बाद एक आने वाली प्राकृतिक संख्याएँ क्रमागत संख्याएँ कहलाती हैं। जैसे :- 4, 5, 6,... 108, 109, 110, ... आदि

अभ्यास प्रश्न-

1. 79 की अनुवर्ती प्राकृतिक संख्या बताइए?

2. 100 की पूर्ववर्ती प्राकृतिक संख्या क्या है ?

3. 1005की अनुवर्ती प्राकृतिक संख्या बताइए?

4. 99999 की पूर्ववर्ती प्राकृतिक संख्या क्या है?

5. सबसे बड़ी व सबसे छोटी प्राकृतिक संख्या बताइए।

गतिविधि-

तुम्हारे गांव में कितने नीम ,बबूल व बरगद के पेड़ हैं कॉपी में लिखो।

उत्तरमाला कार्यपत्रक सं 1-:
1.) (i) 427, (ii) 3501.
2.) (i)सात हजार बारह (ii) अठानवे हजार चार सौ पच्चीस 3.) 1, 0; 1; 1, 8; 0; 3. 4.) 123, 132, 213, 231, 312, 321.6.) 99999, 10000.

इतिहास को जानने के साधन

इतिहास की जानकारी के साधन तीन प्रकार के होते हैं।
(1) पुरातात्विक स्रोत (2) मुद्रा और अभिलेख (3) साहित्यिक स्रोत।

पुरातात्विक स्रोत

प्राचीन काल में मानव ने किसी स्थान पर पहली बस्ती बसाई। हजारों साल बाद पहली बस्ती उजड जाती है और उस बस्ती के मलबे में अन्य लोग अपनी बस्ती बसाते हैं यह सिलसिला चलता रहता है और पुरानी बस्ती के मलबे के ऊपर नए लोग अपनी बस्ती बनाते जाते हैं। धीरे-धीरे यह स्थान एक टीले का रूप ले लेता है। जब उस टीले की खुदाई की जाती है तो टीले में से परत दर परत बस्तियों के अवशेष तथा उनमें रहने वाले लोगों की वस्तुएं मिलती हैं। इन्हें ही पुरातात्विक स्रोत कहते हैं। इन वस्तुओं के आधार पर ही उस समय के सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक जीवन को समझने में मदद मिलती है।

खुदाई में मिले पुरातात्विक स्रोतों के कुछ चित्र

टॉपिक से संबंधित अभ्यास प्रश्न :-

प्र0-(1) :- इतिहास को जानने के साधन कितने प्रकार के होते हैं?
प्र0-(2) :- पुरानी बस्ती के गुजर जाने के बाद बस्ती के मलबे पर क्या होता था?
प्र0-(3) :- बस्ती बसने बिगड़ने के सिलसिले के बाद वह स्थान कैसा रूप ले लेता था?
प्र0-(४) :- टीले की खुदाई में परत दर परत क्या निकलता था?
प्र0-(5) :- खुदाई में प्राप्त वस्तुओं से क्या समझने में मदद मिलती है?

पेज न0-1 के अभ्यास प्रश्नों के उत्तर

(1) × (2) × (3) √

विषय- English पाठ- All Chapters कक्षा - 06

प्रकरण- Saturday Activity क्रमांक - 06

मिशन शिक्षण संवाद

VERB PUZZLE

t	l	r	e	a	d	r	g	o
o	d	u	i	d	r	i	d	e
f	i	n	d	d	a	t	z	u
e	g	r	a	b	w	a	l	k
t	e	a	c	u	t	l	o	n
e	a	t	t	y	e	k	f	o

Find out the following VERBS from the above given puzzle.
(Note:- First make this puzzle on your notebook)

Across बायं से दाएं की ओर

1. Read -- रीड (पढ़ना)
2. Ride -- राइड(सवारी करना)
3. Walk-- वाक (चलना)
4. Grab-- ग्रैब (पकड़ना)
5. Find -- फाइंड (ढूंढना)
6. Cut -- कट (काटना)
7. Eat -- ईट(खाना)

Down ऊपर से नीचे की ओर

1. Dig -- डिग (खोदना)
2. Run -- रन (भागना)
3. Act -- एक्ट (कार्य करना)
4. Buy -- बाय (खरीदना)
5. Draw-- ड्रा (चित्र बनाना)
6. Talk -- टॉक(बातें करना)
7. Add -- ऐड (जोड़ना)

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-Priya Sharma, Aligarh

मिशन शिक्षण संवाद

दिमागी कसरत

गतिविधि:

जोड़ का गोला

1 से 19 तक की संख्याओं को खानों में इस प्रकार भरें जिससे कि हरेक सीधी रेखा पर स्थित, तीनों अंकों का जोड़ 30 हो

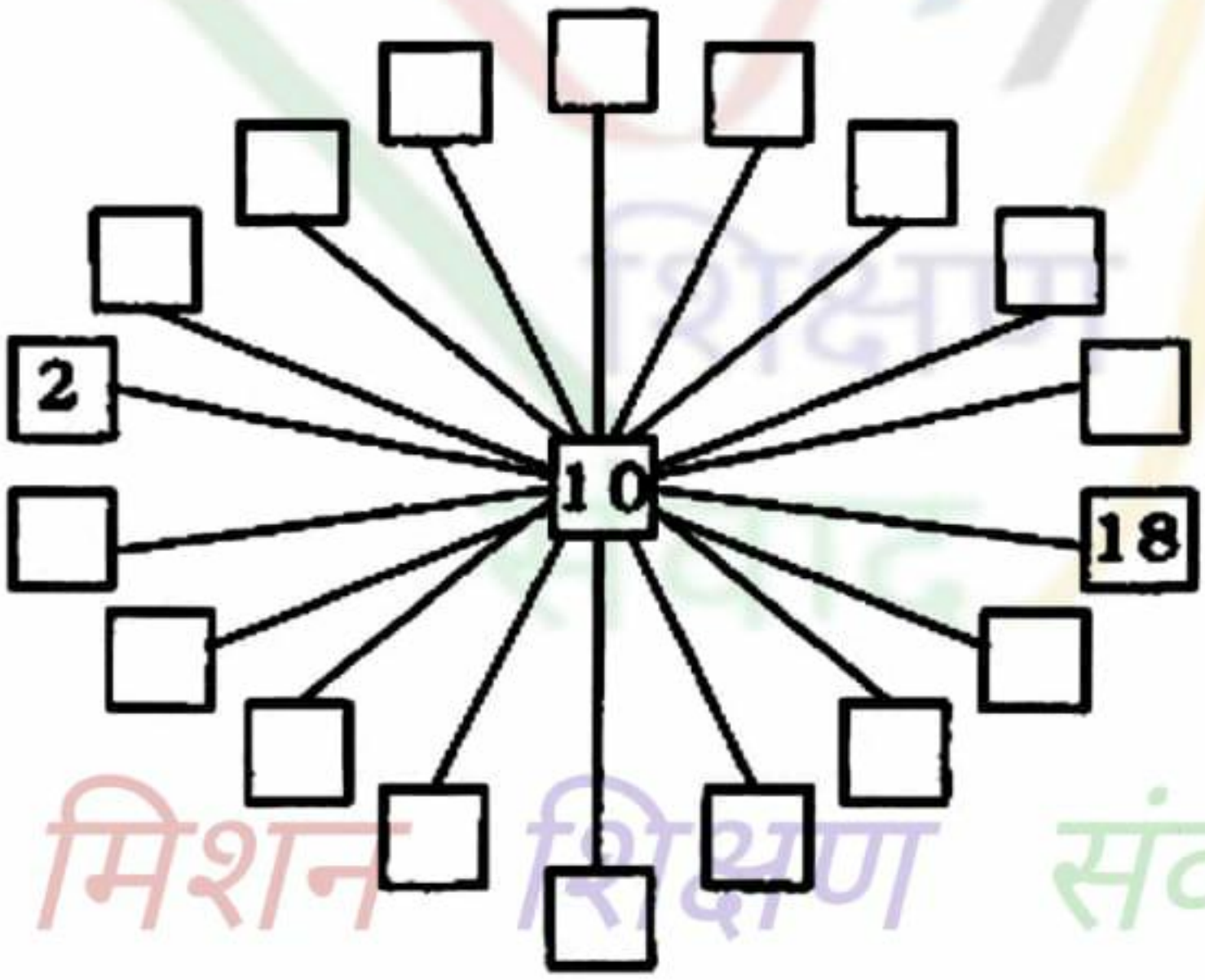

मिशन शिक्षण संवाद

उत्तर माला अभ्यास पत्रक- 5
1.) 16, 17, 18. 2.) 22, 23, 24, 25, 26. 3.) 9, 10, 1. 4.) 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51. 5.) 36, 37, 38, 39, 40

मिशन शिक्षण संवाद

चेतना जोर-जोर से दोहरा रही थी, "पहला सुख निरोगी काया, पहला सुख निरोगी काया" सुबह के नौ बज चुके थे। पास ही चारपाई पर उसका छोटा भाई प्रताप सो रहा था। चेतना ने प्रताप की चारपाई के पास जाकर तेज स्वर में दोहराना प्रारम्भ किया, "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है।" अचानक तेजी से उसका भाई प्रताप उठा और उससे लड़ने-झगड़ने लगा। चेतना के चीखने की आवाज सुनकर माँ दौड़ी-दौड़ी आई।"क्या बात है, क्यों चिल्ला रहे हो?" माँ ने पूछा।"भइया मुझसे झगड़ा कर रहा है" चेतना बोली।"नहीं मम्मी, दीदी मुझे परेशान कर रही हैं" प्रताप बोला।

चेतना बोली, मम्मी, पापाजी ने मुझे और भइया को सुबह पाँच बजे जगा दिया था। मैं अपना काम निबटा चुकी हूँ। स्कूल में कल शिक्षिका ने 'उत्तम स्वास्थ्य' से संबन्धित कुछ कविताएँ और सूक्तियाँ याद करके आने के लिए कहा था। मैं उन्हें ही याद कर रही थी, भइया ने उठकर मुझसे झगड़ना शुरु कर दिया। मम्मी! इतनी देर तक सोते रहने से भइया कितना सुस्त होता जा रहा है। इसकी सेहत भी लगातार गिर रही है और हाँ मम्मी! एक बात तो मैं बताना भूल ही गई थी, कल भइया के स्कूल में स्वास्थ्य की जाँच करने वाली एक टीम आई थी। डॉक्टरों ने भइया के स्वास्थ्य को खराब बताया, तथा कुछ बातें भी बताई गई।

स्वस्थ रहना सबसे बड़ा सुख है। कहावत भी है- 'पहला सुख निरोगी काया'। कोई आदमी तभी अपने जीवन का पूरा आनन्द उठा सकता है, जब वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहे। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी शारीरिक स्वास्थ्य अनिवार्य है। ऋषियों ने कहा है 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्' अर्थात् यह शरीर ही धर्म का श्रेष्ठ साधन है। यदि हम धर्म में विश्वास रखते हैं और स्वयं को धार्मिक कहते हैं, तो अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा पहला कर्तव्य है। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है, तो जीवन भारस्वरूप हो जाता है।

नियमित/अनियमित दिनचर्या-

आपने देखा होगा, कि कुछ बच्चे/व्यक्ति अक्सर बीमार रहते हैं।

क्या आपने कभी सोचा है-

किसी के लगातार अस्वस्थ रहने के क्या कारण हो सकते हैं ?

जब आप बीमार हुई थीं, तो उसके क्या कारण रहे होंगे ?

कहीं इसका मुख्य कारण हमारा अनियमित रहन-सहन, खान-पान, सोना-जागना तो नहीं ? जिसे हम अनियमित दिनचर्या कहते हैं।

क्या है नियमित दिनचर्या ?

सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक के अपने कामों की सूची बनाएँ और प्रत्येक कार्य का एक समय सुनिश्चित करें। जैसे- प्रातः उठना, शौचादि से निवृत्त होना, व्यायाम, स्नान, नाश्ता, स्कूल जाना, खेलना.... वगैरह। यह निश्चित करने के बाद प्रतिदिन उसका पालन करें। हम स्वयं में ताजगी एवं ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

उत्तर माला क्रमांक स.1

1. नियमित रूप से संतुलित और पोषक भोजन का सेवन करेंके बीमारियों से बच कर स्वस्थ और ऊर्जावान रहना ही स्वस्थ शरीर की पहचान हैं
2. स्वस्थ रहने के लिए हमें नियमित दिनचर्या का पालन करना चाहिए
3. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है इसलिए हमारे लिए स्वास्थ आवश्यक है
4. शारीरिक स्वास्थ्य मारे शरीर की संरचना उसके कार्यप्रणाली और विकास को दर्शाता है मानसिक स्वास्थ हमारे आध्यात्मिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को दर्शाता है
5. प्रातः उठना, शौचादि से निवृत्त होना, व्यायाम, स्नान, नाश्ता, स्कूल जाना, खेलना आदि नियमित रूप से करना ही नियमित दिनचर्या कहलाता हैं।

अभ्यासकार्य

1. चेतना जोर जोर से क्या बोल रही थी?
2. मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए किसका स्वस्थ होना जरूरी हैं?
3. उत्तम स्वास्थ्य किसको कहते हैं?
4. अनियमित दिनचर्या से क्या हानि होगी हैं?
5. उत्तम स्वास्थ्य किसको कहते हैं?

1- बच्चों आप एक रंगीन चार्ट पेपर लीजिए और उसे गोल आकार में काट लीजिए फिर उसे 6 भागों में बांट लीजिए। दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए।लो आप का विलोम शब्द चक्र बनकर तैयार हो गया ।अब इसे अपनी विद्यालय की किसी एक दीवार पर लगाइए और उसे विलोम शब्द चक्र कोना नाम दीजिए।

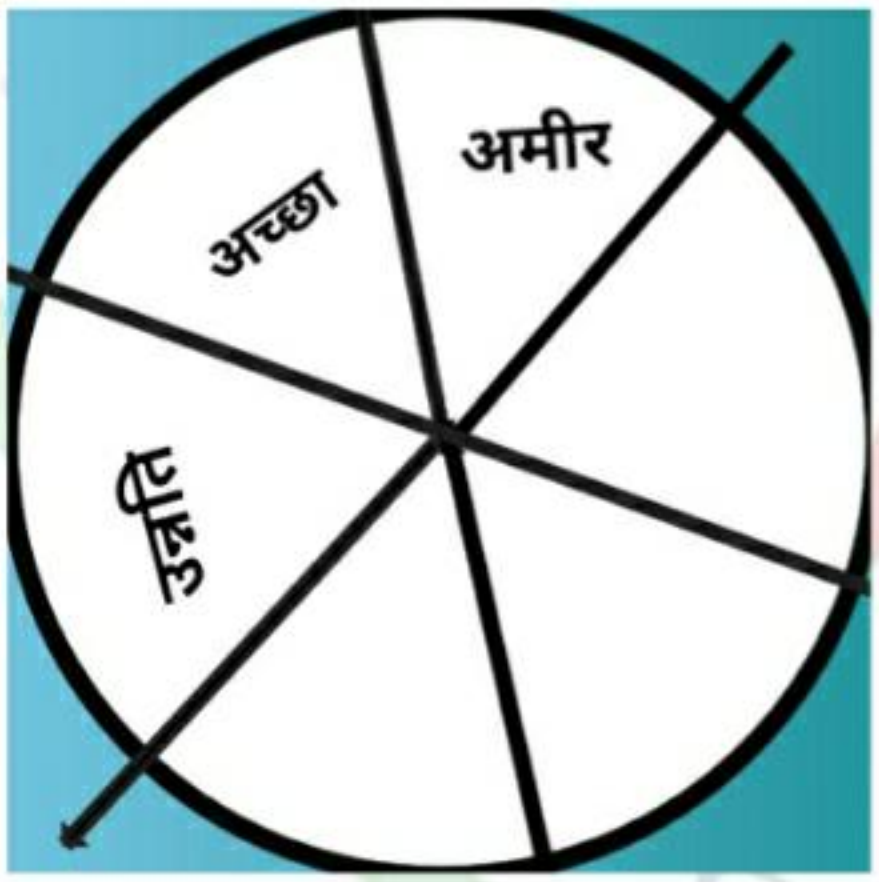

2- दिए हुए आयत से पर्यायवाची शब्दों को ढूंढ कर लिखिए।

नरेश यामिनी दिवस
कनक दृष्टि
वार
निशा प्रसन्न
स्वर्ण नजर
प्रमोद भूपति

•छठवाँ दिन (शनिवारीय गतिविधि)•

आज की ActiVity:- गुरुत्वाकर्षण रहित पानी

आपने देखा होगा कि हर वह वस्तु, जो ऊपर जाती है, उसे गुरुत्वाकर्षण के कारण नीचे आना ही पड़ता है। परन्तु इस प्रयोग की सहायता से आप एक कप पानी को गुरुत्वाकर्षण बल से मुक्त कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कैसे।

आवश्यक सामग्री :

1 काँच का गिलास, पानी, गत्ते का टुकड़ा ।

प्रयोग की विधि:

1. गिलास को पानी से ऊपर तक भरिए।
2. गत्ते के टुकड़े को गिलास के मुँह पर रखिए । ध्यान रहे कि गत्ता रखते वक्त हवा के बुलबुले गिलास के अन्दर न जायें।
3. अब गिलास को नीचे की ओर घुमाइए।
4. गत्ते के नीचे से अपना हाथ हटा लीजिए।

अवलोकन:-

अगर सब कुछ ठीक रहा, तो गत्ता पानी को रोके रहेगा। उल्टा होने पर भी गुरुत्वाकर्षण बल को झुठलाते हुए पानी गिलास में से गिरेगा नहीं। ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए, क्योंकि पानी के गिलास में बिल्कुल भी हवा नहीं है, जिसकी वजह से गिलास के बाहर का वायु-दबाव गिलास के अन्दर के वायु-दबाव से बहुत ज्यादा होता है। यह दबाव गत्ते को उसकी जगह पर बनाये रहता है और पानी गिलास के अन्दर ही रहता है।

टापिक 5 (वर्ग पहेली) का उत्तर

■	1च	र	क2	■	3ला	■	■	4नौ	■	5शां	■
■	न्द्र	■	ला	■	ल	■	6बा	■	7भौ	ति	की
■	शे	■	म	■	जी	■	र	■	■	स्व	■
■	ख	■	■	■	सिं	■	8ह	ल्दी	■	रू	■
9वी	र	ब	ल	10सा	ह	नी	■	■	■	प	■
■	वैं	■	■	त	■	■	■	11आ	र्य	भ	ट्ट
12इ	क	ती	स	■	13अ	14मे	रि	का	■	ट	■
■	ट	■	■	■	■	घ	■	श	■	15ना	सा
16ह	र	गो	वि	न्द	■	ना	■	■	■	ग	■
■	म	■	■	■	■	द	■	17भा	■	र	■
■	न	■	18वि	क्र	म	सा	रा	भा	ई	■	19रा
■	■	20दो	■	■	■	हा	■	■	■	21ती	स

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-
अखिलेश कुमार
स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, रानीपुर, मऊ

आओ करके देखें

पेज नं0- 6

◆ पेज नंबर 2 पर दिए गए चित्रों में से पुरातात्विक वस्तुओं की सूची बनाइए।

◆ आपके घर में दादा दादी के समय या उनसे भी पहले के समय की कोई वस्तु हो तो माता-पिता से पूछ कर उसके विषय में चार-पांच पंक्तियां लिखिए।

◆ ₹10 के नोट पर बने चिह्नों, चित्रों, शब्दों व संख्याओं आदि की सूची बनाइए और उनके सामने उनसे प्राप्त होने वाली जानकारी लिखिए।

◆ गीली मिट्टी को आयताकार रूप में समतल फैला कर उस पर निकली कील से कुछ लिखकर दिखाएं और एक शिलालेख तैयार करें।

पाठ पर आधारित कविताएं

हुआ क्या था बीते समय में
जो बतलाए वो है इतिहास
इति को जानो ऐसा ही
हुआ था समझो हास
इति और हास के मिलन से
शब्द बना इतिहास।।

पूरा से पुरानी, तत्व से वस्तु
समझो तुम यह बात
दबे हुए मंदिर, इमारत
औजार, खिलौने और हथियार
गहने, हड्डी, बर्तन, मूर्ति,
सिक्के, मुहर, लेख लगे जो हाथ
इनका अध्ययन कहलाए
पुरातत्व पुरातत्ववेत्ता बतलाए
इनसे इतिहास।।

जब मानव ने ठान लिया
लिखना अपने हाथ।
तब पत्थर पर गोद दी सारी
अपनी बात
फिर पेड़ों की छाल से लिया
कागज का काम
भोज व ताड़पत्र पर लिख
डाली किताब

बहुत पुरानी बात है जब
लिखना न जाने कोई।
प्रागैतिहासिक काल वह
जिसका लिखित सबूत ना
होई।।

पुरातात्विक स्रोत के होते तीन प्रकार
इनसे ही पता चले बीती सारी बात
पहला है अवशेष जो मिले खुदाई के बाद
मुद्रा और अभिलेख है दूजा
तीजा है साहित्य कहे जिसे किताब।

★ इन कविताओं को कॉपी पर लिख कर याद करें।★

पेज 6

اردو قواعد

बच्चों आपको बताया गया की कलमा की तीन किस्में होती है, इसम्, फाइयल, और हुरूफ़ आज हम जानेंगे फाइयल और हुरूफ़ के बारें में|

جیسا کی آپ کو بتایا جا چکا ہے کی کلمہ کی تین قسمیں ہیں ان میں ایک حرف" اور فعل بھی ہے جس کی تعریف اس طرح ہے۔

کلمہ کی تین قسمیں ہوتی ہیں--

1-اسم 2--فعل 3-حرف

فعل----- وہ کلمہ جس سے کام کا ہونا یا کرنا ظاہر ہو مثلاً نوید دوڑتا ہے-ہم کیھل رہے ہیں-لڑکے آئے

ان جملوں میں "دوڑتا ہے--کھیل رہے ہیں-آئے--فعل ہیں

वो कलमा जिस से किसी काम का होना या करना ज़ाहिर (मालूम) हो जैसे:-नवीद दौड़ता है, हम खेल रहे है, लड़के आये| उसे हम फाइयल कहते है

حرف- حرف کی تعریف اس طرح ہے:-حرف وہ الفاظ یا کلمہ ہیں جو دو اسموں یا دو جملوں کو آپس میں جوڑنے یا ربط پیدا کرنے کے لے بولئے یا لکھے جاتے ہیں- تنہا بولنے پر کوئ معنی پیدا نہیں کرتے-جیسے سے--تک--کی--پر--اور--وغرہ-

جیسے--

1-میں لکھنؤ سے آیا- 2-کتاب میز پر ہے

3- دانش کی گھڑی ٹوٹ گئ- 4-رفیق اور رام ساتھ رہتے تھے-

हुरूफ़ वो कलमा या अल्फाज़ है जो दो जुमलों या इसम को आपस में जोड़ने का काम करते है अकेला बोलने या लिखने पर हुरूफ़ के कोई मायने नहीं होते, जैसे तक, की, पर, और आदि |

पेज 5 के जवाब

اسم وہ کلمہ ہے جس سے کسی شخض چیز یا جگہ کا نام معلوم ہو اسے ہم اسم کہتے ہیں

جیسے--رام-- لکھنو---قلم---

مشق -گھر کا کام

سوال 1-فعل کسے کہتے ہیں؟

سول2-حرف کسے کہتے ہیں؟

سوال 3-حرف کا کیا کام ہوتا ہے؟

बालक के रूप –

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	बालकः	बालकौ	बालकाः
द्वितीया	बालकम्	बालकौ	बालकान्
तृतीया	बालकेन्	बालकेभ्याम्	बालकैः
चतुर्थी	बालकाय	बालकेभ्याम्	बालकेभ्यः
पंचमी	बालकात्	बालकेभ्याम्	बालकेभ्यः
षष्ठी	बालकस्य	बालकयोः	बालकानाम्
सप्तमी	बालके	बालकयोः	बालकेषु
संबोथन	हे बालक!	हे बालकौ!	हे बालका!

•उत्तरमाला अंक 5•

अश्वः अश्वौ अश्वाः

👆 इस तरह निम्न शब्दों के रूप लिखिये।

1.गजः गजौ गजाः

2.नरः नरौ नराः

3.बालकः बालकौ बालकाः

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।

1. कमलं विकसति।

2.फले पतत:

3. कानि विकसन्ति।

4. कमले विकसत:

They began to cut the tree .The mango tree cried out in pain.Seeing the condition of his friend the banyan tree cried out for help ,"Help ! Help"His voice was heard by the wild animals. They Rushed towards tree. When the woodcutters saw the wild animals,they ran as fast as they could leaving their axes behind .
Tears rolled down from the eyes of the mango. Tree .He said,"You were right my dear friend .We need each other to be happy and safe ".
The wild animals moved near the mango. Tree and said,"It's only through caring and sharing ,friendship. Is bom.'
"I told you „we need animals and they need us .If we do not help each other„we may fall in trouble ,"said the banyan tree.

हिंदी अनुवाद

उन्होंने पेड़ काटना शुरू किया।आम का पेड़ दर्द से चिल्लाने लगा ।अपने मित्र की दशा देखकर बरगद का पेड़ मदद के लिए चिल्लाने लगा "मदद करो,मदद करो। उसकी आवाज जंगली जानवरों ने सुन ली, वे बरगद के पेड़ की मदद के लिए भागे जब लकड़हारों ने जंगली जानवरों को देखा तो वह अपनी कुल्हाड़ियाँ छोड़ कर तेजी से भाग गए।आम के पेड़ की आँखों से आंसू निकलने लगे
उसने कहा ,"तुम सही थे प्रिय मित्र ,हमें खुश और सुरक्षित रहने के लिए एक दूसरे की आवश्यकता हैं। जंगली जानवर आम के पेड़ के पास गए और बोले ,"देखभाल करने और साझा करने से ही दोस्ती पैदा होती है।"
मैंने कहा था हमे जानवरो की आवश्यकता है और उन्हें हमारी । अगर हम एक दूसरे की मदद नही करेंगे तो हम परेशनी में आ सकते हैं,बरगद के पेड़ ने कहा।

C. Mark tick (√)for correct statement and cross (×) for the incorrect statement
A. The banyan tree. Wanted to drive the animals away.....
B. There was a demon in the mango tree.....
C. Two farmers came to the forest.....
D. Trees and animals need each other.....

अभ्यास कार्य

A.What happened when the banyan tree cried loudly?
B.What lesson do you learn from this story?

Answer sheet

A. When the banyan tree cried loudly his voice was heard by the wild animals and they rushed towards it
B. This story tells us that we must not dislike others because we may need any one in times of trouble.All the species of living being are dependent on each others
C..(×. .×. ×. √)

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Anjani Agarwal U.P.S Semarua Kanpur

क्रमागत संख्याएँ

आज हम क्रमागत संख्याओं को सीखेंगे-:

क्रम से एक के बाद एक आने वाली प्राकृतिक संख्याएँ क्रमागत संख्याएँ कहलाती हैं। जैसे :- 4, 5, 6,... 108, 109, 110, ... आदि |

उदाहरण - 20 से आगे की तीन क्रमागत संख्याएँ ज्ञात करेंगे |

हल : 20 से आगे की तीन क्रमागत संख्याएँ 21, 22, 23 हैं ।

अभ्यास कार्य

1.) 15 के बाद तीन क्रमागत संख्याओं को लिखिए ।
2.) 21 के बाद 5 क्रमागत संख्याओं को लिखिए ।
3.) 12 से पहले की 3 क्रमागत संख्याओं को लिखिए ।
4.) 45 के बाद की 7 क्रमागत संख्याओं को लिखिए |
5.) 41 से पहले की 5 क्रमागत संख्याओं को लिखिए ।

गतिविधि-
अपने सभी भाई बहनों बढ़ते हुए क्रम में नाम लिखो। सभी की उम्र भी लिखकर लाओ | अपने क्रम को संख्या रेखा पर दिखाओ |

उत्तरमाला अभ्यास कार्यपत्रक सं. 4

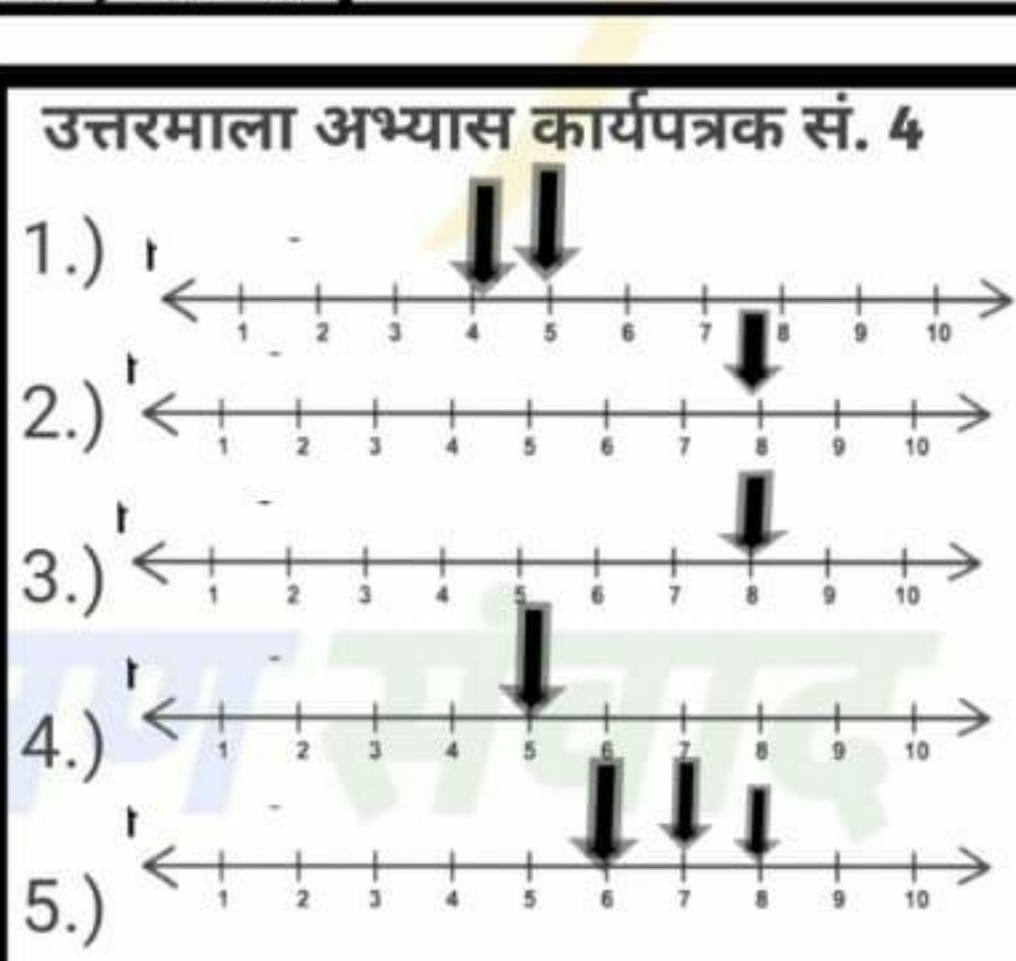

5

किं पतति? क्या गिरता है?
फलं पतति। फल गिरता है।
के पतत:? कौन दो गिरते हैं?
फले पतत:। दो फल गिरते हैं।
कानि पतन्ति? कौन सब गिरते हैं?
फलानि पतन्ति। बहुत से फल गिरते हैं।
किं विकसति? कौन खिलता है?
कमलं विकसति। कमल खिलता है।
के विकसत:? कौन दो खिलते हैं?
कमले विकसत: दो कमल खिलते हैं।
कानि विकसन्ति? कौन सब खेलते हैं?
कमलानि विकसन्ति।
बहुत से कमल खिलते हैं।

●शब्दार्थ●

शब्द	अर्थ
क:	कौन(पुल्लिंग)
का	कौन (स्त्रीलिंग)
का:	कौन सब
फलं	फल
फले	दो फल
कमलं	कमल
पत	गिरना
विकसति	खिलता है।

अभ्यास प्रश्न

अश्व: अश्वौ अश्वा:
👆 इस तरह निम्न शब्दों के रूप लिखिये।
1.गज:
2.नर:
3.बालक:
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।
1. कमलं--------
2.फले.....
3. कानि.....
4.....विकसत:

●उत्तरमाला अंक 4●

1.हिन्दी अर्थ लिखिये।
पठति पढ़ता है।
पठत: दो पढ़ते हैं।
जलं जल /पानी
अजा बकरी
अजा: बहुत सी बकरियां
2.संस्कृत बनाओ।
अ. अजा चरति।
ब.अजा: धावन्ति।

पेज 5

बच्चों हम इसम के बारे में पड़ेंगे. इसम को हिंदी में संज्ञा कहते है।

اردو قواعد

पिछले सबक में हमने कलमा के बारे में जाना, बच्चों आज हम जानेंगे की कलमा की तीन किस्में होती है.
1.. इसम 2... फाइअल 3.. हुरूफ़

پچھلے سبق میں ہم نے کلمہ کے بارے میں جانا کی کلمہ کسے کہتے ہیں۔
آج ہم جانیں گے کی کلمہ کی تین قسمیں ہوتی ہیں۔

کلمہ کی تین قسمیں ہوتی ہیں--

1۔اسم 2--فعل 3۔حرف

اسم:۔ اسم وہ کلمہ ہے جس سے کسی شخص، چیز،یا جگہ کا نام معلوم ہو۔اس ہم اسم کہتے ہیاں۔

جیسے ہندوستان ہمارا ملک ہیں۔

2۔پنڑت جواہر لال نہرو۔

3۔قلم میز پر ہیں

اوپر لکھے جملوں۔میں ہندوستان۔پنڑت جواہر لال نہرو ۔قلم ۔کیوں کی ہندوستان جگہ کا نام، قلم چیز کا نام،جواہرلال نہرو شخص کا نام ہے۔

इसम वो कलमा है जिस से किसी शख्स, चीज़, या जगह का नाम मालूम हो उसे इसम कहते है।

जैसे. हिंदुस्तान. जवाहर लाल नहरू, कलम आदि इसम है।

مشق ۔گھر کا کام

سوال-1۔اسم کسے کہتے ہیں۔؟

सवाल1.इसम किसे कहते है?

سوال-2۔آپ بھی اس طرح اسم بتایں؟

सवाल 2. आप भी इस तरह से इसम (संज्ञा) ढूंढ कर लिखो?

इसम की परिभाषा को सभी बच्चे याद करें.

اسم کو یاد کرو۔

जीवन परिचय

कन्हैयालाल मिश्र- कन्हैयालाल मिश्र'प्रभाकर'का जन्म 29 मई सन्1906 मे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में देवबंद ग्राम में हुआ था। प्रभाकर जी हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार, निबन्धकार,पत्रकार तथा स्वतंत्रता सेनानी थे। इनकी रचनाओं में 'बाजे पायलिया के घुंघरू','दीप जले शंख बजे', 'तपती पगडंडियों पर पदयात्रा' तथा 'माटी हो गई सोना'आदि प्रमुख हैं। इनका निधन 1995 ई०को हुआ था।

कहानी से

किसने किससे कहा किसने:–

(क) मुझे अपने लिए एक आदमी की जरूरत है।

(ख) मैंने इसे हजारों में से छोटा है और बढ़िया नौकरी से छुड़ाकर लाया हूं।

(ग) मुझे अपनी राजा की सेवा करने का मौका मिलेगा।

(घ) इससे अफसरों में ढील और बेईमानी पैदा होगी।

अभ्यास कार्य

प्र०1- कन्हैयालाल मिश्र का जन्म कब और कहां हुआ था?

प्र०2- कन्हैयालाल मिश्र की प्रमुख रचनाएं कौन-कौन सी हैं?

प्र०3- युवक ने कीमती सामान क्यों बेच दिया?

प्र०4- राजा ने युवक को वित्त मंत्री क्यों बनाया?

प्र०5- कहानी में किस बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया और क्यों?

कुछ करने की बारी-

1- आपके यहां भी विवाह तथा अन्य प्रकार के आयोजनों से जुड़े तमाम लिफाफे आते होंगे।आप इनका उपयोग किस प्रकार कर सकते हैं। सोचिए/कीजिए।

2- इसी प्रकार घरों में बहुत सी चीजें रद्दी या कबाड़ समझ कर फेंक दी जाती हैं। अपने घर में ऐसी वस्तुओं को खोज कर उनसे रचनात्मक चीजें तैयार कीजिए।

अभिलेख

तांबा,लोहा,लकड़ी अथवा पत्थर आदि कठोर सतहों पर खुदे हुए शासन आदेशों को अभिलेख कहते हैं। इन्हें शिलालेख, ताम्र लेख,काष्ठलेख, लौहलेख आदि नामो से भी जाना जाता है। प्राचीन काल से इसका प्रयोग किया जा रहा है। अभिलेख किसी विशेष महत्त्व या प्रयोजन के लिखे जाते थे। प्राचीन शासक ने अभिलेखों द्वारा अपने आदेश व दिशानिर्देश जनता तक पहुंचाते थे।

अभिलेख इतिहास की जानकारी के बहुत अच्छे साधन हैं। इन अभिलेखों से उस समय के शासक वहां की सामाजिक स्थिति आदि के बारे में पता चलता है।

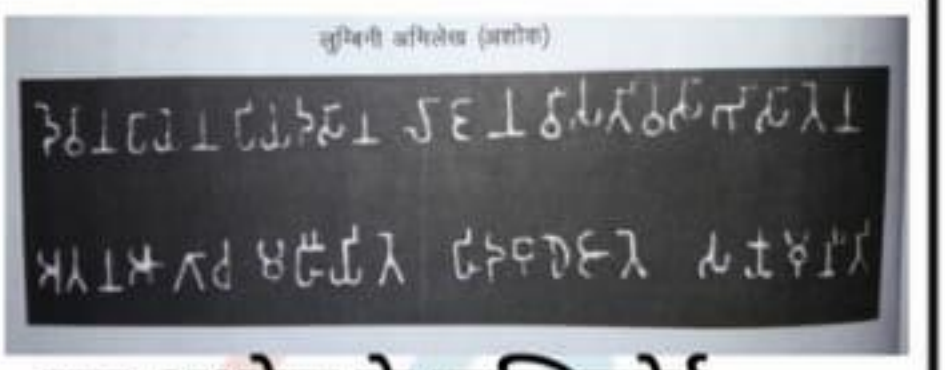

यह अशोक के रूम्मिनदेई अभिलेख का अंश है जो लुंबिनी(नेपाल) से प्राप्त हुआ है। इस अभिलेख में अशोक ने यह घोषणा की है कि लुंबिनी में उपज का आठवां भाग कर के रूप में लिया जाएगा।

भोजपत्र पर लिखे अभिलेख

शिलालेख

सम्राट अशोक का स्तंभ अभिलेख

अभ्यास प्रश्न

प्र0-1 शिलालेख किस पर लिखे जाते थे?
प्र0-2 ताम्रपत्र किस पर लिखे जाते थे?
प्र0-3 स्तंभ लेखक का क्या अर्थ है?
प्र0-4 अशोक का रुम्मिनदेई अभिलेख कहाँ से प्राप्त हुआ था?
प्र0-5 अभिलेख किस लिए लिखवाए जाते थे?

पेज नं0- 3 के उत्तर

(1) सिक्के
(2) ठप्पा
(3) साम्राज्य विस्तार का
(4) सामानों पर अपनी मुहर लगाते थे।

पांचवाँ दिन (टापिक 5)

★वर्ग पहेली (भारतीय विज्ञान और वैज्ञानिक)★

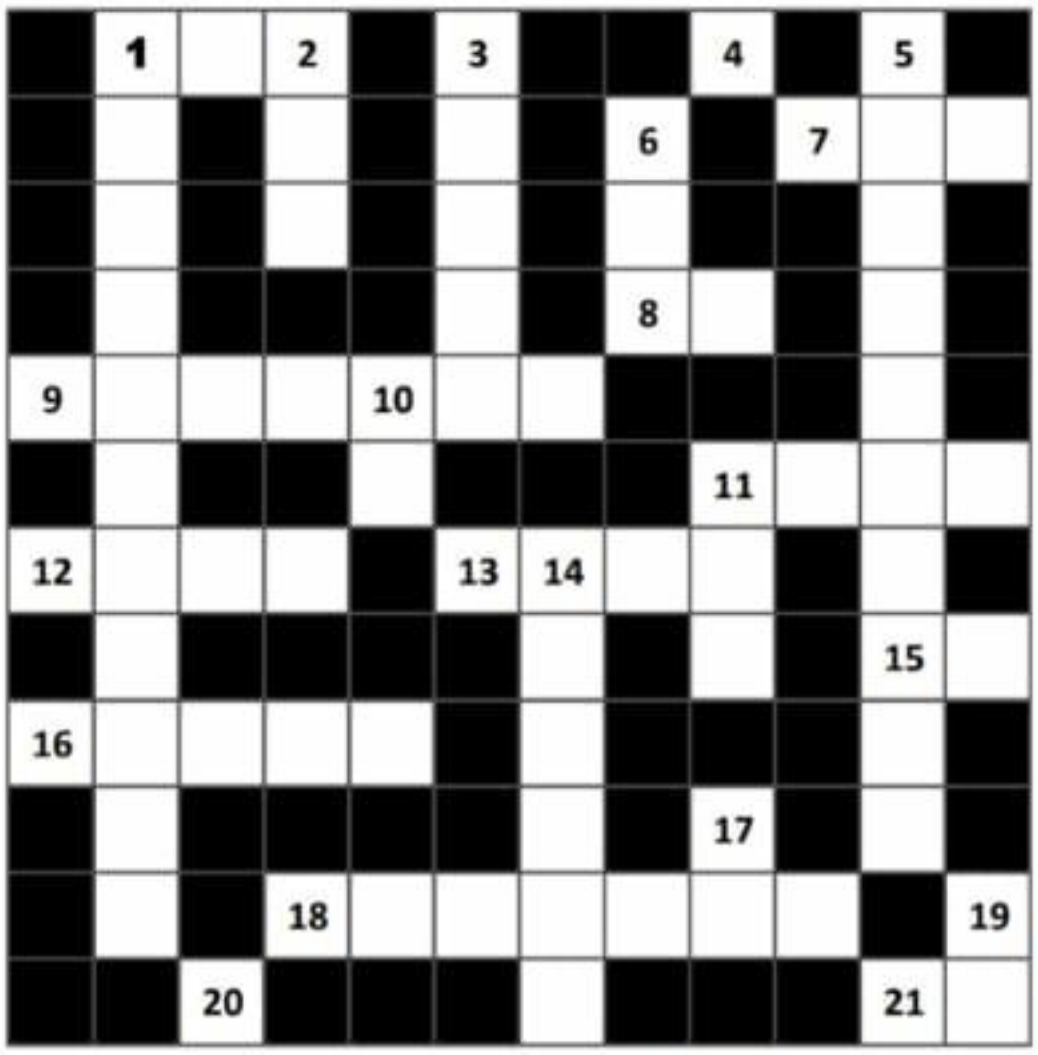

संकेत

ऊपर से नीचे

1. 28 फरवरी सन् 1928 में खोजे गए 'रमन प्रभाव' की याद में प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को भारत में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' का आयोजन किया जाता है। किस वैज्ञानिक द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज की गई थी? इस खोज के लिए इन्हें सन् 1930 में नोबेल पुरस्कार से समादृत भी किया गया था। (5,3,3)
2. भारत के एक पूर्व राष्ट्रपति जिन्हें 'मिसाइल मैन' के नाम से भी जाना जाता है- डा. ए. पी. जे. अब्दुल .....। (3)
3. 'आणविक जीव विज्ञान' के क्षेत्र में ख्यातिलब्ध एक भारतीय वैज्ञानिक। (3,2)
4. हर गोविंद खुराना का जन्म सन् 1922 के जनवरी माह की इस तारीख को हुआ था। (1)
5. भारत में शोध संस्थानों के जनक, आप सीएसआईआर के प्रथम निदेशक और यूजीसी के प्रथम चेयरमैन भी रहे है। (2,3,5)
6. 'बर्डमैन आफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध भारत के पक्षी विज्ञानी सालिम अली का जन्म सन् 1896 के नवम्बर माह की इस तारीख को मुम्बई में हुआ था। (3)
10. नोबल पुरस्कार समादृत भारतीय वैज्ञानिक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन का जन्म सन् 1888 के नवम्बर माह की इस तारीख को हुआ था। (2)
11. डीआरडीओ द्वारा डिजाइन की गई तथा डीआरडीओ, आर्डिनेंस फैक्ट्रीज बोर्ड, भारत डायनामिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड के सहयोग से निर्मित सतह से हवा में मार करने में सक्षम मिसाइल। (3)
14. खगोल-भौतिकी के अन्तर्गत तारों के स्पेक्ट्रा की व्याख्या के लिए इस वैज्ञानिक द्वारा दिया गया समीकरण एक आधारभूत उपकरण की तरह उपयोगी है। आप भारत के प्राचीनतम शोध संस्थानों में से एक 'इंडियन एसोसिएशन फार दी कल्टीवेशन आफ साइंस (आईएसीएस)' के प्रथम निदेशक भी रहे है। (4,2)
17. वैज्ञानिक, जिन्हें भारतीय नाभिकीय कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता है- होमी जहांगीर.....। (2)
19. भारत के अल्मोड़ा जिले में जन्में इस ब्रिटिश वैज्ञानिक ने पता लगाया था कि मलेरिया परजीवी के वाहक का कार्य मच्छर करते हैं। इसके लिए इन्हें सन् 1902 का चिकित्सा कार्यिकी का नोबल पुरस्कार भी मिला था- रोनाल्ड.....(2)
20. डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने सन् दो हजार .....भारत के राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण किया था। (1)

बांए से दाएं

1. प्राचीन भारत के चिकित्सा-सम्बन्धी एक विद्वान जिन्होंने 'अग्निवेश' नामक ग्रन्थ को संशोधित कर एक संहिता तैयार की जो उन्हीं के नाम से विश्वविख्यात हैं। (3)
4. नोबेल पुरस्कार समादृत वैज्ञानिक हरगोविंद खुराना की मृत्यु सन् 2011 के नवंबर माह की इस तारीख को हुई थी। (1)
7. भारतीय वैज्ञानिक सर चन्द्रशेखर वेंकटरमन को इस विषय क्षेत्र का नोबल पुरस्कार मिला था। (3)
8. सीएसआईआर के पूर्व निदेशक डा. रघुनाथ अनंत माशेलकर ने भारत में विद्यमान किस पौधे के घाव-भरने के गुणों पर आधारित अमरीका द्वारा कराए गए पेटेंट (USP 5,401,5041) को रद्द कराने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। (2)
9. पुरावनस्पति विज्ञान के पुरोधा; आपके नाम से लखनऊ में एक शोध-संस्थान भी है। (4,3)
11. प्राचीन भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ व खगोलविद् जिन्होंने 'आर्यभटीय' तथा 'आर्य-सिद्धांत' नामक पुस्तकें लिखी हैं। (4)
12. डा. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जन्म का वर्ष- सन् उन्नीस सौ.....। (4)
13. करनाल, हरियाणा में जन्मी कल्पना चावला किस देश की अंतरिक्ष एजेंसी में चयनित होकर अंतरिक्ष यात्रा पर गई थी? (4)
15. कल्पना चावला अमरीका की इस अंतरिक्ष एजेंसी में कार्यरत थी। (2)
16. मार्शल डब्ल्यू, नीरेनबर्ग और राबर्ट डब्ल्यू, होली के साथ सन् 1968 के चिकित्सा कार्यिकी के क्षेत्र का नोबल पुरस्कार पाने वाले वैज्ञानिक- .....खुराना। (2,3)
18. भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक। (3,4)
20. सन् 1968 में हर गोविंद खुराना के साथ और कितने वैज्ञानिकों को चिकित्सा कार्यिकी के क्षेत्र का नोबल पुरस्कार मिला था? (1)
21. 'क्रेस्कोग्राफ' के आविष्कारक सर जगदीश चन्द्र बोस का जन्म सन् 1858 के नवम्बर माहकी इस तारीख को हुआ था। आप अमरीकी पेटेंट प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। (2)

◆कुछ और भी जानें◆

•भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक जिन्हें नोबुल पुरस्कार से सम्मानित किया गया - सर. सी. वी. रमन, हर गोविन्द खुराना, सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर, अल्बर्ट आइंस्टीन, मैडम क्यूरी, अलेक्जेंडर फ्लेमिंग आदि

•भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (ISRO) -

भारत में अन्तरिक्ष अन्वेषण तथा अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास एवं उसके अनुप्रयोग का कार्य भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संस्थान (Indian Space Research Organisation) द्वारा किया जाता है। इसे संक्षेप में इसरो (ISRO) भी कहते हैं। इसकी स्थापना 15 अगस्त 1969 को हुयी थी। इसरो का मुख्यालय बंगलुरू में है। यहाँ कृत्रिम उपग्रहों को डिजाइन करके निर्माण किया जाता है। कृत्रिम उपग्रह भी पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं। कृत्रिम उपग्रह अन्तरिक्ष में कुछ प्रमुख उद्देश्यों के लिए प्रक्षेपित किये जाते हैं, जिनमें दूरसंचार, मौसम विभाग सम्बन्धी अध्ययन, आपदा प्रबंधन, नौवहन और समर्पित दूरस्थ शिक्षा संबंधी उपग्रह आदि प्रमुख हैं।

◆टापिक 4 का उत्तर◆

1)टी. आर. शेषाद्रि
2)डा० ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
3)विक्रम साराभाई, कल्पना चावला
4)जगदीश चंद्र बोस
5)आनुवंशिकी कोड की स्थापना में
6)थामस एडीसन
7)फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव
8)मारकोनी
9)जान लोगी बेयार्ड का
10)गुरुत्वाकर्षण

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार
स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, रानीपुर, मऊ

मिशन शिक्षण संवाद

स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है। हमें सर्वांगीण स्वास्थ्य के बारे में जानकारी होना बोहोत आवश्यक है। स्वास्थ्य का अर्थ विभिन्न लोगों के लिए अलग-अलग होता है। लेकिन अगर हम एक सार्वभौमिक दृष्टिकोण की बात करें तो अपने आपको स्वस्थ कहने का यह अर्थ होता है कि हम अपने जीवन में आनेवाली सभी सामाजिक, शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का प्रबंधन करने में सफलतापूर्वक सक्षम हों।

सुप्रभात बच्चों कैसे हो आप सब आप सब में से कौन-कौन सुबह जल्दी उठता है? विद्यालय आने के पूर्व आप क्या-क्या कार्य करते हैं ?आप सभी जानते होंगे कि विद्यार्थियों को सूर्योदय के पूर्व उठना चाहिए क्योंकि "पहला सुख निरोगी काया,पहला सुख निरोगी काया"सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक के अपने कामों की सूची बनाएँ और प्रत्येक कार्य का एक समय सुनिश्चित करें। जैसे- प्रातः उठना, शौचादि से निवृत्त होना, व्यायाम, स्नान, नाश्ता, स्कूल जाना, खेलना.... वगैरह। यह निश्चित करने के बाद प्रतिदिन उसका पालन करें। हम स्वयं में ताजगी एवं ऊर्जा का अनुभव करेंगे।

शारीरिक स्वास्थ्य शरीर की स्थिति को दर्शाता है जिसमें इसकी संरचना, विकास, कार्यप्रणाली और रखरखाव शामिल होता है। यह एक व्यक्ति का सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए एक सामान्य स्थिति है। यह एक जीव के कार्यात्मक और/या चयापचय क्षमता का एक स्तर भी है।

मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ हमारे भावनात्मक और आध्यात्मिक लचीलेपन से है जो हमें अपने जीवन में दर्द, निराशा और उदासी की स्थितियों में जीवित रहने के लिए सक्षम बनाती है। मानसिक स्वास्थ्य हमारी भावनाओं को व्यक्त करने और जीवन की ढ़ेर सारी माँगों के प्रति अनुकूलन की क्षमता है। इसे अच्छा बनाए रखने के निम्नलिखित कुछ तरीके हैं-

शरीर और स्वास्थ्य को स्थिर, सुदृढ़ और उत्तम बनाये रखने के लिए आहार, स्वप्न (निद्रा) और ब्रह्मचर्य - ये तीन उपस्तम्भ हैं। 'उप' यानी सहायक और 'स्तम्भ' यानी खम्भा। इन तीनों उप स्तम्भों का यथा विधि सेवन करने से ही शरीर और स्वास्थ्य की रक्षा होती है।

अभ्यासकार्य

1. सुबह उठकर हम क्या-क्या कार्य करते हैं?
2. स्वस्थ रहने के लिए हमें क्या करना चाहिए?
3. स्वास्थ हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है?

विलोम शब्द मिलान

सूर्योदय	सामुहिक
स्वस्थ	अनियमित
स्वच्छता	गन्दगी
व्यक्तिगत	रोगी
नियमित	सूर्यास्त

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा

क्रमांक 1

4

का पठति? कौन पढ़ती है?
बालिका पठति लड़की पढ़ती है।
के पठत:? कौन दो पढ़ती हैं?
बालिके पठत: दो लड़कियां पढ़ती हैं।
का: पठन्ति? कौन सब पढ़ती हैं?
बालिका: पठन्ति
सभी लड़कियां पढ़ती हैं।

का जलं पिबति। कौन जल पीती है?
अजा जलं पिबति बकरी जल पीती है।
के जलं पिबत: कौन दो जल पीती हैं?
अजे जलं पिबत: दो बकरी जल पीती हैं
का जलं पिबन्ति
कौन सब जल पीती हैं।
अजा:जलं पिबन्ति।
बहुत सी बकरियां जल पीती हैं।

●शब्दार्थ●

शब्द	अर्थ
बालिका	लड़की
अजा	बकरी
पिब	पीना
पठ	पढ़ना
अजा:	बहुत सी बकरियाँ

अभ्यास प्रश्न

1.हिन्दी अर्थ लिखिये।
पठति
पठत:
जलं
अजा
अजा:
2.संस्कृत बनाओ।
अ. बकरी खाती है।
ब.बहुत सी बकरियां दौड़ती हैं।

●उत्तरमाला अंक 3●

1.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिये।
अ. क: धावति
ब. नर: खादति
स. अश्वा: धावन्ति।
द. नरौ खादत:
2.संस्कृत में लिखिये।
अ.गज: धावति।
ब.अश्व: धावति।
स.कौ खादत:।
द.नरा:धावन्ति।

विषय - गणित, पाठ- प्राकृतिक संख्याएं, प्रकरण- संख्या रेखा, कक्षा- 6

मिशन शिक्षण संवाद

प्राकृतिक संख्याओं का संख्या रेखा पर प्रदर्शन

एक रेखा खींचते हैं। उस पर समान दूरी के अन्तर पर बिन्दुओं को चिह्नित करेंगे। इन बिन्दुओं द्वारा क्रम से संख्याएँ 1, 2, 3, 4, 5, 6, ... निरूपित करेंगे

वस्तुओं की गिनती 1 से ही प्रारम्भ होती है, अत: हम कह सकते हैं। 1 सबसे छोटी एवं पहली प्राकृतिक संख्या है।

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिये।

बढ़ी है (>) / छोटी है (<)	संख्या रेखा पर स्थित बाईं / दाईं ओर
3>2	2 की दाईं ओर 3 है
5>3	3 की दाईं ओर 5 हैं
8__7	7 की___ ओर 8 है
1<2	2 की बायीं ओर 1 है
3__4	4 की ____ ओर 3 है
2<5	5 की बायीं ओर 2 है
8__6	6 की ____ओर 8 है
10__12	12 की ___ ओर 10 है
3__5	5 की ____ ओर 3 है
7__4	4 की ____ ओर 7 है

गतिविधि

आपके स्कूल के बस्ते में जितनी भी वस्तुऐं हैं उन सभी की गिनती कर संख्या रेखा पर दिखाओ।

अभ्यास कार्य:

1.) संख्याएं 4 तथा 5 को संख्या रेखा पर अंकित करो।

2.) संख्या 7 का अनुवर्ती संख्या रेखा पर दिखाओ।

3.) संख्या 9 की पूर्ववर्ती संख्या रेखा पर दिखाओ।

4.) संख्या 4 व 6 के बीच की संख्या को संख्या रेखा पर दिखाओ।

5.) संख्या 6, 7 व 8 को संख्या रेखा पर दिखाओ।

उत्तर माला अभ्यास कार्यपत्रक संख्या 3 -

1.) 99999, 10000.

2.) 5 का स्थानीय मान 5000, 2 का 200, 3 का 30 तथा 1 का 1 है।

3.) 600, 6.

4.) 3330.

5.) 20000, 2000, 200, 20, 2; 22222.

6.) 495

निर्माण करने वाले शिक्षक का नाम -कविता गुप्ता, इगलासअलीगढ़ (कार्यपत्रक संख्या - 4)

आओ जाने :-

اردو قواعد

उर्दू व्याकरण, कलमा की परिभाषा

کلمہ-- وہ الفاظ جن کے کچھ معنی ہوتے ہیں کلمہ کہلاتےہیں۔

مہمل-- اور وہ الفاظ جن کے کوئی معنی نہیں ہوتی مہمل کہلاتے ہیں۔

جیسے-- قلم ولم۔کتاب وتاب,کھانا وانا,لکڑی وکڑی,وغیرہ

یہاں قلم, کتاب, کھانا,لکڑی,کلمہ ہیں اور ولم,وتاب,وان,وکڑی مہمل ہیں۔

कलमा :- वो अलफ़ाज़ जिन के कुछ मायने होते है कलमा कहलाते है|

महमल :- वो अल्फाज़ जिन के कोई मायने नहीं होते महमल कहलाते है |

उदारहण:- कलम वलम, किताब विताब, लकड़ी वकड़ी आदि |

अपने जाना की कलम. किताब, खाना, लकड़ी ये सभी कलमा है और वलम, वताब, वाना, वकड़ी ये सभी महमल है.

आओ जाने हम्द किसे कहते है,

اؤ جانے حمد کسے کہتے ہیں

وہ نظم ؛جس میں خدا کی تعریف کی جائے۔

گھر کا کام۔

1.इन शब्दों में से कलमा और महमल अलग अलग करके लिखें?

سوال1:- ان میں سے کلمہ اور مہمل الگ الگ کر کے لکھیں۔
1۔ کتاب وتاب,لوڑتا ووٹا,آم وآم لکڑی وکڑی

سوال2 حمد کسے کہتے ہیں؟

2.हम्द किसे कहते है?

पाठ का सारांश

राजा ने एक दिन अपने मंत्री से कहा," मुझे अपने लिए एक आदमी की जरूरत है। कोई तुम्हारी निगाह में जंचे तो लाना, पर इतना ध्यान रखना कि आदमी अच्छा हो।" बहुत बहुत दिनों की जांच-पड़ताल के बाद मंत्री को एक युवक जंचा। उसने युवक की नौकरी छुड़ा दी और उन्नति का आश्वासन देकर राजा के सामने पेश किया। बहुत देर तक तो राजा को अपनी बात हीयाद न आई,
बाद में बोले,"हॉ, उस समय शायद कोई बात मन में थी, पर मैंने अब तो कोई बात नहीं की है।" मंत्री ने कहा,
"हुजूर! मैंने इसे हजारों में से छांटा है
और बढ़िया नौकरी से छुड़ाकर लाया हूं।"
राजा ने कुछ सोच कर मंत्री से कहा के इस समय तो मेरे पास कोई काम नहीं है लेकिन अगर तुम कहते हो तो हम इसे अपने दफ्तर में चपरासी रख सकते हैं लेकिन इसे पंद्रह रुपए वेतन मिलेगा। राजा की यह बात मंत्री को बहुत बुरी लगी लेकिन वह युवक खुश था। उसने मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि मुझे अपने राजा की सेवा करने का मौका मिला।
मंत्री जो उस युवक को राजा के दफ्तर में छोड़ने गया तो दफ्तर की हालत देखकर मंत्री बहुत परेशान हुआ क्योंकि दफ्तर में चारों तरफ धूल और गंदगी थी। राजा कभी अपने दफ्तर नहीं जाता था और नहीं वहां बैठकर कोई काम करता था। युवक कई दिनों तक राजा के दफ्तर में सफाई करता रहा। राजा के उस दफ्तर में एक कमरा था जिसमें राजा को मिले अनेक कीमती उपहार कबाड़ के रूप में रखे हुए थे। उस युवक ने उन कीमती उपहारों का कबाड़ निकालकर बाजार में बेच दिया। उसे कई हजार रुपए मिले। उन रुपयो से उस युवक ने दफ्तर के लिए अच्छे फर्नीचर के साथ साथ अन्य जरूरी सामान खरीदें।
उसने अपने मेहनत से कुछ ही दिनों में दफ्तर को शाही दफ्तर का रूप दे दिया ।बचे पैसों को उसने सरकारी खजाने में जमा करा दिया। तभी कुछ चुगल खोरो ने राजा से जा कर उसकी शिकायत की,कि वह रुपए लुटा रहा है। एक दिन राजा गुस्साए हुए दफ्तर गएतो दफ्तर में देखकर दंग रह गए। राजा ने उससे पूछा कि दफ्तरकी सजावट तुमने किसके पैसे से किया है। उसने राजा को ऑफिस के कबाड़ी की सारी कहानी बताई और यह भी बताया कि बचे हुए रुपयों को उसने सरकारी खजाने में जमा करा दिया है।राजा उस युवक से बहुत प्रसन्न हुए और उसे अपने राज्य का वित्त मंत्री बना दिया।

शब्दार्थ

कृतज्ञता= उपकार मानना
आश्वासन= आशा दिलाना
पच्चीकारी= नक्काशी
चुगल खोर= शिकायत करने वाला
खजांची= खजाने का अधिकारी

उत्तरमाला पेज नं०३

१-
जगजीवन-------सत्यप्राण
भाव जो संसार रुपी जीवन में दीर्घ काल तक रहने वाला श्रेष्ठ सौंदर्य से परिपूर्ण और हृदय में सत्य धारण करने वाला हो
जिससे जीवन में---- अंधभक्ति भाव- हे प्रभु! मुझे ऐसी शक्ति दो जिससे मेरे अंदर भय,शक, संदेहऔर बिना सोच-विचार के किसी के प्रति निष्ठा रखने की भावना का उदय हो।

२-
1- मैं उसका प्रेमी बनू नाथ
जो हो मानव के हित समान।
2- मैं वह प्रकाश बन सकूं नाथ
मिल जाए जिसमें अखिल व्यक्ति।
3- ला सकूं विश्व में एक बार
फिर से नवजीवन का विहान।

३- अन्य शीर्षक- नवजीवन का विहान

Chapter:- 02 Sharing And Caring

Language Practice ➡ Substitution Table

Ques:- Frame the questions and their answers with the help of table given below (see example) :-

प्रश्न :- नीचे दी गई टेबल की सहायता से प्रश्न और उनके उत्तर बनाओ (उदहारण देखें):-

Was	the	duster	on the table	Yes, it was. No, it wasn't.
		glass		
Were		books		Yes, they were. No, they weren't.
		pens		

See this example and make your own sentence :-

Example:- 1 Ques:- Was the duster on the table??
Ans:- Yes, it was on the table.

Example:- 2 Ques:- Were the books on the table??
Ans:- No, they weren't on the table.

Do it yourself (यह स्वयं करो)

Ques:- Make atleast 5 questions using this table.

प्रश्न :- नीचे दी गई टेबल की सहायता से कम से कम 5 प्रश्न बनाओ।

What	is	your his her	favorite	color food movie music tv show city car sport	?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Priya Sharma, PS Siriyagarhi, Aligarh 9458278429

Sixth grade is a special place
See the big smile on my face
Our class is a great team,
We make our teachers beam,
We work hard each busy day,
Then out to the yard to play
Multiplication is fun
Nine times nine is eighty one,
Learn the math facts one through ten,
Practice again and again

New word

Word	उच्चारण	meaning
Grade.	ग्रेड	श्रेणी
Beam.	बीम	खुश
Yard.	यार्ड	मैदान
Facts.	फैक्ट्स	तथ्य
Ocean.	ओशन	महासागर
Progress	. प्रोग्रेस	प्रगति

हिंदी अनुवाद

छटी श्रेणी एक विशेष स्थान है, देखो मेरे चेहरे पर बड़ी मुस्कुराहट

हमारी कक्षा एक महान टीम है।

हम अपने अध्यापकों को खुश रखते हैं,फिर बाहर मैदान में खेलने जाते है।गुणा करना मजेदार है, नौ बार नौ इक्यासी होते हैं,एक से दस तक गणित तथ्यों को याद करना ,अभ्यास करना बार बार खेल खेलना ,गाना गाना ,बहुत सा मजा पूरे साल तक ,किताबें पढ़ना, कविताएं कहना, प्रत्येक दिन नई चीजें याद करना।

EXERCISES

1) प्रश्न उत्तर

A. How do you make your teachers beam?

B.What new things do you learn every day?

2) MATCH COLUMN 'A' WITH COLUMN 'B

A	B
see the big smile	each busy day
we work hard	poems to say
Nine times nine	on my face
Books to read	spelling too
Reading, writing	is eighty one

ANSWER SHEET

A.We make our teachers beam by listening to our teachers attentively and doing our doing our work timely.

B. We learn new things in every subjects even in activities like music,dance and sports ,we learn new things.

2) See the big smile on my face
We work hard each busy day
Nine times nine is eighty one
Books to read poem to say
Reading, wrriting spelling too

Rhyming words

Team. Beam
Song. Long
Ends. Friends
Day. Play
Made. Grade
Ten. Pen
Too Blue

EDUCATION IS A WAY TO GET SUCCESSS IN LIFE

दूसरा दिन

टापिक 2:- दैनिक जीवन में विज्ञान की देन

चित्र में दिखाये गये साधनों का उपयोग हम दैनिक आवश्यकताओं में करते हैं। कृषि कार्य शीघ्र हो इसलिए ट्रैक्टर व अन्य कृषि यन्त्र जैसे थ्रेशर मशीन, सीडड्रील, हार्वेस्टर आदि विज्ञान की ही देन है। घर बैठे देश-विदेश की जानकारी व मनोरंजन टेलीविजन व रेडियो द्वारा किया जाता है। गैस के चूल्हा द्वारा शीघ्र खाना पक जाता है। इससे समय और श्रम की बचत होती है तथा प्रदूषण भी कम होता है। यातायात के विभिन्न साधन जैसे रेलगाड़ी, कार, बस तथा वायुयान हैं जिनके द्वारा कुछ ही घंटों में लम्बी यात्रा तय की जा सकती है।

विज्ञान की खोजों के फलस्वरूप ही कृषि यंत्रों, यातायात एवं संचार के साधनों तथा अन्य अनेक प्रकार के साधनों एवं सामग्रियों का विकास सम्भव हो पाया है।

विज्ञान ने हमारी बहुत सी समस्यायें जो भोजन, स्वास्थ्य और यातायात से जुड़ी हैं, को सुलझाने में सहायता की है। पम्प तथा नहरें सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध कराती हैं। आज उत्तम बीज, उर्वरक तथा कीट नाशक दवायें उपलब्ध हैं। इसी प्रकार मनोरंजन के क्षेत्र में, संचार के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में तथा शिक्षा के क्षेत्र में विज्ञान ने अभूतपूर्व योगदान दिया है। समाचार पत्रों और रेडियो द्वारा हमें देश-विदेश में हो रही घटनाओं की जानकारी मिलती है।क्रिक्रेट मैच और देश-विदेश में होने वाले विभिन्न समारोहों का सीधा प्रसारण हम टेलीविजन पर देख सकते हैं, टेलीफोन और मोबाइल फोन द्वारा हम दूर स्थित किसी व्यक्ति से बात कर सकते हैं। यह सभी विकास विज्ञान द्वारा ही सम्भव हो पाये हैं। मनुष्य सदा ही अधिक ज्ञान प्राप्त करने और उसका सही रूप में अनुप्रयोग करने के लिए प्रयत्नशील रहा है। आप भी बहुत सी नयी खोजों के बारे में जानने को इच्छुक होंगे।

टापिक 2 से सम्बंधित अभ्यास के लिए प्रश्न:-

1)कृषि कार्य शीघ्र हो, इसमें विज्ञान की क्या देन हैं?
2)घर बैठे देश-विदेश की जानकारी व मनोरंजन किसके द्वारा किया जाता हैं?
3)किससे शीघ्र खाना पक जाता हैं और जिससे समय व श्रम की बचत होती है तथा प्रदूषण भी कम होता है?
4)यातायात के वे कौन से साधन है जिनके द्वारा कुछ ही घंटों में लम्बी यात्रा तय की जा सकती हैं?
5)किसके फलस्वरूप ही कृषि यंत्रों, यातायात एवं संचार के साधनों तथा अन्य अनेक प्रकार के साधनों एवं सामग्रियों का विकास सम्भव हो पाया है?
6)किसने हमारी बहुत सी समस्यायें जो भोजन, स्वास्थ्य और यातायात से जुड़ी हैं, को सुलझाने में सहायता की है?
7)समाचार पत्रों और रेडियो द्वारा हमें किसकी जानकारी मिलती हैं?
8)क्रिक्रेट मैच और देश-विदेश में होने वाले विभिन्न समारोहों का सीधा प्रसारण हम किस पर देख सकते हैं?
9)किसके द्वारा हम दूर स्थित किसी व्यक्ति से बात कर सकते है?
10)सभी विकास किसके द्वारा सम्भव हो पाये हैं?

टापिक 1 का उत्तर:-

1)उत्सुकता से
2)हर चीज को जानने समझने की
3)देखने, छूने, सूंघने, स्वाद चखने या सुनने के कारण
4)उत्सुकता के कारण
5)विज्ञान
6)सिद्धांत की रचना
7)गुरुत्वाकर्षण के कारण
8)सर आइजेक न्यूटन ने
9)वैज्ञानिक विधि के विभिन्न चरणों के द्वारा
10)आठ

पेज न0-1

बच्चों! क्या आपको अपने परदादा और परदादी का नाम मालूम है? वे क्या काम करते थे? वे कैसे रहते थे? वे कैसे दिखते थे? इसी प्रकार यदि हमें आज से हजारों वर्ष पहले के लोगों के बारे में जानना हो तो आप कैसे जानेंगे?
बच्चों! उनके बारे में जानने के लिए हम इतिहास का अध्ययन करते हैं।
इतिहास:- बीते हुए समय और उस समय के लोगों को समझने और जानने का एक साधन है इतिहास।
इतिहासकार:- अतीत से प्राप्त तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर बीते समय की जानकारी देने वालों कोइतिहासकार कहते हैं।

प्रागैतिहासिक काल:- अतीत में ऐसा भी युग था जब लोग लिखना नहीं जानते थे। उन लोगों के जीवन के विषय में हमें जानकारी उनके द्वारा छोड़ी गई वस्तुओं जैसे मिट्टी के बर्तन, खिलौने, हथियारों तथा औजारों से मिलती है। अधिकांशत यें वस्तुएं जमीन में दबी हुई होती हैं। खुदाई के दौरान यें हमें प्राप्त होती हैं। तो ऐसा समय जिस की जानकारी के लिए कोई भी लिखित सामग्री उपलब्ध नहीं है, पूर्व या प्रागैतिहासिक काल कहलाता है।

ऐतिहासिक काल:- जब मानव ने लिखना शुरू किया उसे कागज का ज्ञान नहीं था। वह लेखों को ताड़ पत्रों, भोज पत्रों और ताम्रपत्रों पर लिखता था।कभी-कभी लेख बड़ी शिलाओं, दीवारों, मिट्टी या पत्थर के छोटे-छोटे टुकड़ों पर भी लिखे जाते थे। आधुनिक इतिहास के विषय में हमें लिखित और मुद्रित दस्तावेजों से जानकारी मिलती है। जिस काल या समय के इतिहास के विषय में हमें लिखित और मुद्रित सामग्री से जानकारी मिलती है एवं उसे पढ़ा भी जा सकता है उस काल को ऐतिहासिक काल कहते हैं

पुरातत्व:- प्राचीन काल में मानव द्वारा प्रयोग में लाई गई वस्तुओं, उनके द्वारा निर्मित मंदिरों एवं इमारतों आदि के अवशेषों का अध्ययन पुरातत्व कहलाता है।
इनका अध्ययन करने वाले पुरातत्ववेत्ता कहलाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

★सही कथन पर सही का निशान तथा गलत कथन पर गलत का निशान लगाइए।
(1) प्रागैतिहासिक काल को जानने के लिए हमारे पास लिखित सामग्री है। ( )
(2) प्राचीन काल के मानव कागज पर लिखते थे। ( )
(3)सिक्कों एवं अभिलेख से भी ऐतिहासिक जानकारी मिलती है।( )

ताडपत्र- ताड़ के पेड़ के चौड़े पर्त्ते।
भोजपत्र- भुर्ज नामक पेड़ की छाल
ताम्रपत्र- तांबे के पतले एवं चपटे टुकड़े।
स्तंभ लेख- पत्थर के खंभों पर लिखे लेख पत्र।
शिलालेख- पत्थर की चट्टानों पर लिखे लेख।

संख्या-

" कितनी वस्तुएँ हैं?" का जिससे बोध होता है, उसे संख्या कहते हैं*।*

जैसे- रजत के पास चार पेंसिल हैं| चार एक संख्या है|

संख्यांक-

संख्याओं को जिन संकेतों द्वारा व्यक्त करते हैं, उन्हें संख्यांक कहते हैं ।

0, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 और 9 संख्यांक हैं।

स्थानीय मान

किसी संख्या में प्रत्येक स्थान के संगत अंक का मान अलग-अलग होता है,इसे अंक का स्थानीय मान कहते हैं।

उदाहरण- संख्या 3477 में दोनों 7 के स्थानीय मान अलग-अलग ज्ञात कीजिए ।

हल:) 3477= 3000 + 400 + 70 + 7

हम देखते हैं कि दाहिनी ओर से

पहले 7 का स्थानीय मान = 7

तथा दूसरे 7 का स्थानीय मान= 70

गतिविधि-:

2, 3, 4, 5, 6 संख्यांकों के 5 कार्ड बनाओ। इनसे बनने वाली सभी संख्याओं को लिखो तथा सबसे छोटी और सबसे बड़ी संख्या भी बनाओ |

सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या

एक अंक की सबसे बड़ी संख्या =9

एक अंक की सबसे छोटी संख्या =1

दो अंकों की सबसे छोटी संख्या=9+ 1=10

दो अंकों की सबसे बड़ी संख्या =99

तीन अंकों की सबसे छोटी संख्या=99 + 1=100

तीन अंकों की सबसे बड़ी संख्या =999

चार अंकों की सबसे छोटी संख्या=1000

चार अंकों की सबसे बड़ी संख्या =9999

अभ्यास प्रश्न

1-) निम्नांकित संख्याओं को संख्यांकों में व्यक्त कीजिए :

(i) चार सौ सत्ताईस (ii) तीन हजार पाँच सौ एक

2-) निम्नांकित संख्याओं को शब्दों में लिखिए :

(i) 7012 (ii) 98425

3-) निम्नांकित संख्याओं में अंकों को छाँटिए :

10, 11, 18, 0, 3

4-) 1, 2, 3 से बनने वाली तीन अंकों की सभी संख्याएँ लिखिए जबकि अंकों की पुनरावृत्ति न हो।

5-) 6, 7, 0, 5से चार अंकों की सबसे बड़ी एवं सबसे छोटी संख्या लिखिए।

6-) पाँच अंकों की सबसे बड़ी तथा सबसे छोटी संख्या लिखिए।

कार्य पत्रिका सं. 1

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- कविता गुप्ता, अलीगढ़ 9458278429

पहला दिन:-

टापिक 1:- दैनिक जीवन में विज्ञान की भूमिका

मनुष्य स्वभाव से सदैव ही जिज्ञासु प्रवृत्ति का रहा है। उसे हमेशा अपने आस-पास की दुनिया में घटने वाले प्रत्येक घटनाक्रम में कब, कहाँ, कैसे और क्यों जैसे प्रश्नों के उत्तर ढूँढ़ने की उत्सुकता होती है। वास्तव में विज्ञान की शुरुआत इसी उत्सुकता से होती है।

एक जिज्ञासु छात्र अंकित ने एक बार अपने शिक्षक से पूछा, "कोई भी चीज ऊपर फेंकने या छोड़ने के बाद जमीन पर क्यों गिर जाती है ? प्रेशर कुकर में खाना जल्दी कैसे बन जाता है ? दूध से दही कैसे बन जाता है ? फ्रिज में सामान ठण्डा कैसे रहता है ? चिड़िया कैसे उड़ती है ?" शिक्षक ने अंकित को समझाते हुए कहा कि आपके सभी सवाल हमारे आस-पास की दुनिया से सम्बन्धित हैं। मनुष्य में हर चीज को जानने समझने की उत्सुकता होती है। यह उत्सुकता देखने, छूने, सूँघने, स्वाद चखने या सुनने के कारण उत्पन्न होती है। उत्सुकता के कारण ही हमारे मन में तरह-तरह के सवाल उठते हैं। विज्ञान इन सवालों का उत्तर देने की कोशिश करता है।

जिज्ञासु छात्र अंकित ने कहा, ``ठीक है, लेकिन विज्ञान कैसे इन सवालों का उत्तर देता है ?"

शिक्षक ने बताया, यह जानने के लिए हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक किस तरह कार्य करते हैं। वे, जिस समस्या का हल खोजना होता है, सबसे पहले, उसका सूक्ष्म अवलोकन करते हैं और उससे सम्बन्धित सभी जानकारियाँ एकत्रित करते हैं। एकत्रित जानकारी के द्वारा वे अपने उत्तर के बारे में कल्पना करते हैं। इस तरह किसी सिद्धान्त की रचना की जाती है। सिद्धान्त की रचना ही सवाल का सबसे अच्छा समाधान होता है। सिद्धान्त की पुष्टि के लिए बार-बार प्रयोग करना पड़ता है ताकि यह विश्वास होने लगे कि इस समस्या का सबसे अच्छा समाधान यही है।

शिक्षक ने बताया, जैसे अंकित का सवाल है कि वस्तुएँ हमेशा जमीन पर ही क्यों गिरती हैं ? आप रोज देखते हैं कि अगर आप कोई भी चीज हवा में उछालें या फेंके तो वह जमीन पर गिर जाती हैं। क्या ऐसा हर जगह और वस्तु के साथ होता है ? यह जानने के लिए आपको कई तरह की वस्तुओं के साथ विभिन्न स्थानों पर प्रयोग करना पड़ेगा।

अगर आप ऐसा करें तो पायेंगे कि हर तरह की वस्तु फूल, पत्थर, सिक्के, कपड़े आदि चाहे जहाँ से गिरायें वापस जमीन पर ही गिरते हैं। इसे देखकर महान वैज्ञानिक सर आइजेक न्यूटन ने यह निष्कर्ष निकाला कि पृथ्वी हर वस्तु को गुरुत्वाकर्षण के कारण अपनी तरफ खींचती है। जिसकी वजह से प्रत्येक वस्तु पृथ्वी पर गिरती है।

अंकित अपने प्रश्न का इतना सरल उत्तर पाकर उत्साहित हो गया।

शिक्षक ने अंकित के उत्साह को देखकर बताया कि ज्यादातर उत्तर सरल ही होते हैं, लेकिन उनके उत्तर या सिद्धान्त पाना अक्सर जटिल होता है। वैज्ञानिक किसी भी समस्या / जिज्ञासा का समाधान प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक विधि के विभिन्न चरणों के द्वारा निष्कर्ष निकालते हैं और उससे समाज को लाभान्वित करते हैं। वैज्ञानिक विधि के विभिन्न चरण हैं:-

1. जिज्ञासा / प्रश्न करना 2. परिकल्पना 3. परीक्षण 4. निरीक्षण / विश्लेषण / वर्गीकरण
5. अभिलेखन 6. पुनर्विचार 7. निष्कर्ष निकालना 8. नये प्रयोग

अंकित अब विज्ञान के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक था। उसने पूछा, ``विज्ञान ने हमारे जीवन के लिए क्या-क्या किया है ?" इसकी जानकारी अगले दिन दिया जायेगा।

अब आज के अभ्यास के लिए प्रश्न (टापिक 1 से सम्बंधित):-

1)विज्ञान की शुरुआत किससे होती हैं?
2)मनुष्य में किस चीज की उत्सुकता रहती हैं?
3)मनुष्य में उत्सुकता किसके कारण उत्पन्न होती हैं?
4)किसके कारण हमारे मन में तरह-तरह के सवाल उठते हैं?
5)उत्सुकता के कारण उठे सवालों का जवाब देने की कोशिश कौन करता है?
6)किसकी रचना ही सवाल का सबसे अच्छा समाधान होता है?
7)किसके कारण पृथ्वी हर वस्तु को अपनी ओर खींचती हैं?
8)किस वैज्ञानिक ने यह निष्कर्ष निकाला कि पृथ्वी हर वस्तु को गुरुत्वाकर्षण के कारण अपनी तरफ खींचती है? जिसकी वजह से प्रत्येक वस्तु पृथ्वी पर गिरती है।
9)वैज्ञानिक किसी भी समस्या / जिज्ञासा का समाधान प्राप्त करने के लिए किसके द्वारा निष्कर्ष निकालते हैं?
10)वैज्ञानिक विधि के कितने चरण है?

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, रानीपुर, मऊ

نظم خدا کی شان

اے زمین۔اسمان کے
مالک
ساری دنیاجہان کے
مالک
تیرے قبظےمیں سب
خدائی ہیں
تیرے ہی واستے بڈای
ہیں
تو ہئ ہیے سب کا
پالنے والا
لام سب کا نکالنے والا
بھوک۔میں تو ہمیں
کھلاتا ہے
پیاس میں تو ہمیں
پلاتا ہے।

नज़म-खुदा की शान

ऐ ज़मीन आसमान के मालिक
सारी दुनिया जहाँ के मालिक।
तेरे कब्ज़े में सब खुदाई है
तेरे ही वास्ते बड़ाई है।
तू ही है सब का पालने वाला
काम सब का निकलने वाला।
भूक में तू हमें खिलता है
प्यास में तू हमें पिलाता है।

الفاظ ۔ معیی

1۔۔جہان کے مالک۔۔۔دنیا بنانے والا(خدا)

2۔۔بڈای کرنا۔۔تعریف کرنا

शब्द......अर्थ

2.बड़ाई करना..तारीफ करना

1.. जहाँ के मालिक... खुदा(भगवान)

क्रमांक. 01

تشریح۔نظم کا متلب۔

شاعد نے اس نزم میں خدا کی رحمتوں اور نعمتوں کے بارے میں بتایا ہیں۔ےا خدا تمنے یہ دنیا بنائ۔زمین ۔اسمان بنایا۔اے خدا اپ ہی سب کے کام کرواتے ہیں۔کھانے کو کھانا اور پینے کو پانی دیا۔اپ ہی اس پوری دنیا کے نیزام کو چلاتے ہو۔

नज़म का अनुवाद|

इस नज़म मे खुदा की दी हुई रहमतो और नेमतों के बारे में बतया गया है. खुदा ने ये ज़मीं बनाई आसमान और ये पूरी दुनिया(संसार) बनाया| खुदा(भगवान) ही इस पूरी दुनिया का संचालक(चलाने वाला) है| भूक में हमें वो ही खिलता है प्यास में वो ही हमें पिलाता है|

Altaf Hussain Halli

संक्षिप्त जीवन परिचय

مختصر سوانح حیات

مولانا التاف حسین حلئ اردو کے مشہور شاعر ہونے کے عللوہ ایک اچھی شخصیت کے مالک بھی تھے۔حلی پانی پتھ میں کے رہنے والے تھے اور ۱۱نومبر ۱۸۳۶ میں وہی پیدا ہوے اور ان کا انتےکال ۳۰ ستمبر۱۹۱٤میں ہوا۔ حلی نے اردو میں بہت سی نظمیں ۔ غزل اور روبائیاں لکھی وہ اردو شاءری میں بلند مقام رکھتے تھے۔

मौलाना अल्ताफ हुसैन हाली उर्दू के मशहूर कवि और लेखक थे| उनका जन्म 11 नवंबर 1837 में पानीपथ में हुआ था और उन देहांत 30 सितम्बर 1914 में हुआ| उन्होंने उर्दू में ग़ज़ल- नज़म और रुबाई आदि लिखे.

سوالں کے جواب لکھیں **सवाल**

۱۔شاعر حلی کا پورا نام کیا بتائے؟
۲۔حلی کب پیدا ہوئے؟
۳۔حلی کا انتقال کب ہوا؟
٤۔ اس دنیا کو کسنے بنایا ؟
٥۔ہماری مشکلیں کون درو کرتا ہے؟

1.हाली का पूरा नाम क्या था?
2.हाली कब पैदा हुए?
3.हाली का इन्तेकाल कब हुआ?
4.इस दुनिया को किस ने बनाया?
5. हमारी मुश्किलें कौन आसान करता है?

श्लोक•

मातृभूमे!नमो मातृभूमे! नमः।

मातृभूमे! नमो मातृभूमे! नमः।
तव गिरिभ्यो नमस्ते नदीभ्यो नमः।
तव वनेभ्यो नमो जनपदेभ्यो नमः।
तव कणेभ्यो नमस्ते अणुभ्यो नमः।

सन्दर्भ- प्रस्तुत संस्कृत पंक्तियां हमारी पाठ्य पुस्तक संस्कृत पीयूषम के "भारत वंदना"नामक शीर्षक से चयनित हैं।यह संस्कृत वंदना 'पंडित वासुदेव द्विवेदी शास्त्री' जी द्वारा रचित है

प्रसङ्ग- प्रस्तुत पंक्तियों में भारत भूमि की प्राकृतिक विरासतों की वंदना की गई है।

भावार्थ- हे पवित्र भारत भूमि तुम्हे नमस्कार है! पवित्र मातृभूमि को नमस्कार है! मातृभूमि को नमस्कार है! मातृभूमि तुम्हारे पर्वतों को नमस्कार है,मन्द-मन्द बहती शीतल नीर वाली तुम्हारी नदियों को नमस्कार है,हरयाली से परिपूर्ण तुम्हारे वनों को नमस्कार है तुम्हारे जनपदों को नमस्कार है। तुम्हारे कण-कण को नमस्कार है, तुम्हारे अणुओं को नमस्कार है।

शब्द	***अर्थ***
मातृभूमे	हे मातृभूमि
नमः	नमस्कार
तव	तुम्हारे
गिरिभ्यः	पर्वतों को
नदिभ्यः	नदियों को
वनेभ्यः	जंगलों को
कणेभ्यः	कणों को
अणुभ्यः	अणुओं को

अभ्यास प्रश्न

1•श्लोक का अर्थ अपनी भाषा में लिखो।

2• प्रस्तुत संस्कृत वन्दना श्लोक को कंठस्थ कीजिये।

3• शब्दार्थ को अपनी कॉपी में लिखकर कंठस्थ करो।

4• 'भारत वन्दना' के रचयिता कौन हैं?

जग जीवन में जो चिर महान
सौंदर्य पूर्ण औ सत्य -प्राण
मैं उसका प्रेमी बनूं नाथ!
जो हो मानव के हित समान!
जिससे जीवन में मिले शक्ति
छूटे भय, संशय, अन्धभक्ति

सुमित्रानंदन पंत

प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत जी का जन्म 20 मई सन्1900 ई०में अल्मोड़ा के निकट कौसानी ग्राम में हुआ था। इनकी प्रारंभिक शिक्षा गांव की ही पाठशाला में हुई। इनकी साहित्यिक सेवा के लिए भारत सरकार ने इन्हें पदम-भूषण सम्मान से विभूषित किया। इनकी प्रमुख रचनाएं है- वीणा,ग्रंथि, पल्लव गुंजन,चिदंबरा आदि।पंत जी का निधन 28 दिसंबर सन्1977 ई० को हुआ।

भावार्थ-

प्रस्तुत कविता में कवि ईश्वर से लोक कल्याण और मानवता की सेवा करने की शक्ति प्राप्त करने के लिए प्रार्थना करता

अर्थ- कवि ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहता है कि हे प्रभु !मैं उसका प्रेमी बनू जो समान रुप से मनुष्य का कल्याण करने वाला हो; संसार रूपी जीवन में जो दीर्घ काल तक रहने वाला हो;श्रेष्ठ सौंदर्य से परिपूर्ण और हृदय में सत्य धारण करने वाला हो जिससे जीवन में शक्ति प्राप्त हो तथा भय ,शक ,संदेह और अंधविश्वास के प्रति निष्ठा रखने की भावना का निवारण हो सकें।

शब्दार्थ-

जगजीवन= संसार के लोगों के जीवन में
सत्य प्राण= जिसका हृदय सत्य से भरा हुआ हो
चिर= दीर्घ काल तक रहने वाला
मानव के हित समान= जो मनुष्य का हितेषी हो
महान=बडा
संशय=संदेह
भय=डर

अभ्यास कार्य

१- सुमित्रानंदन पंत जी का जन्म कब और कहां हुआ?
२- पंत जी की प्रमुख रचनाएं कौन-कौन सी हैं?
३ कवि किस के कल्याण के लिए प्रार्थना करता है?

अंगूर का गुच्छा बनायें और रंग भरें।

1

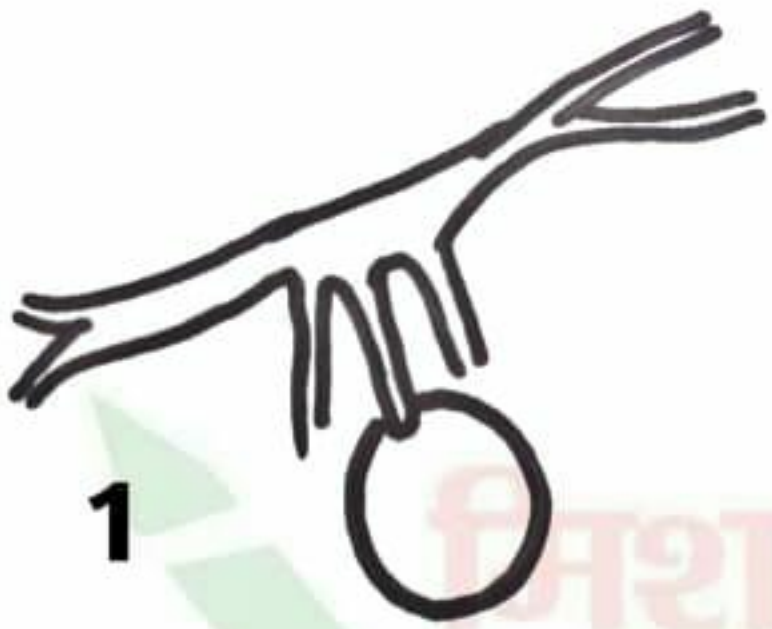

2

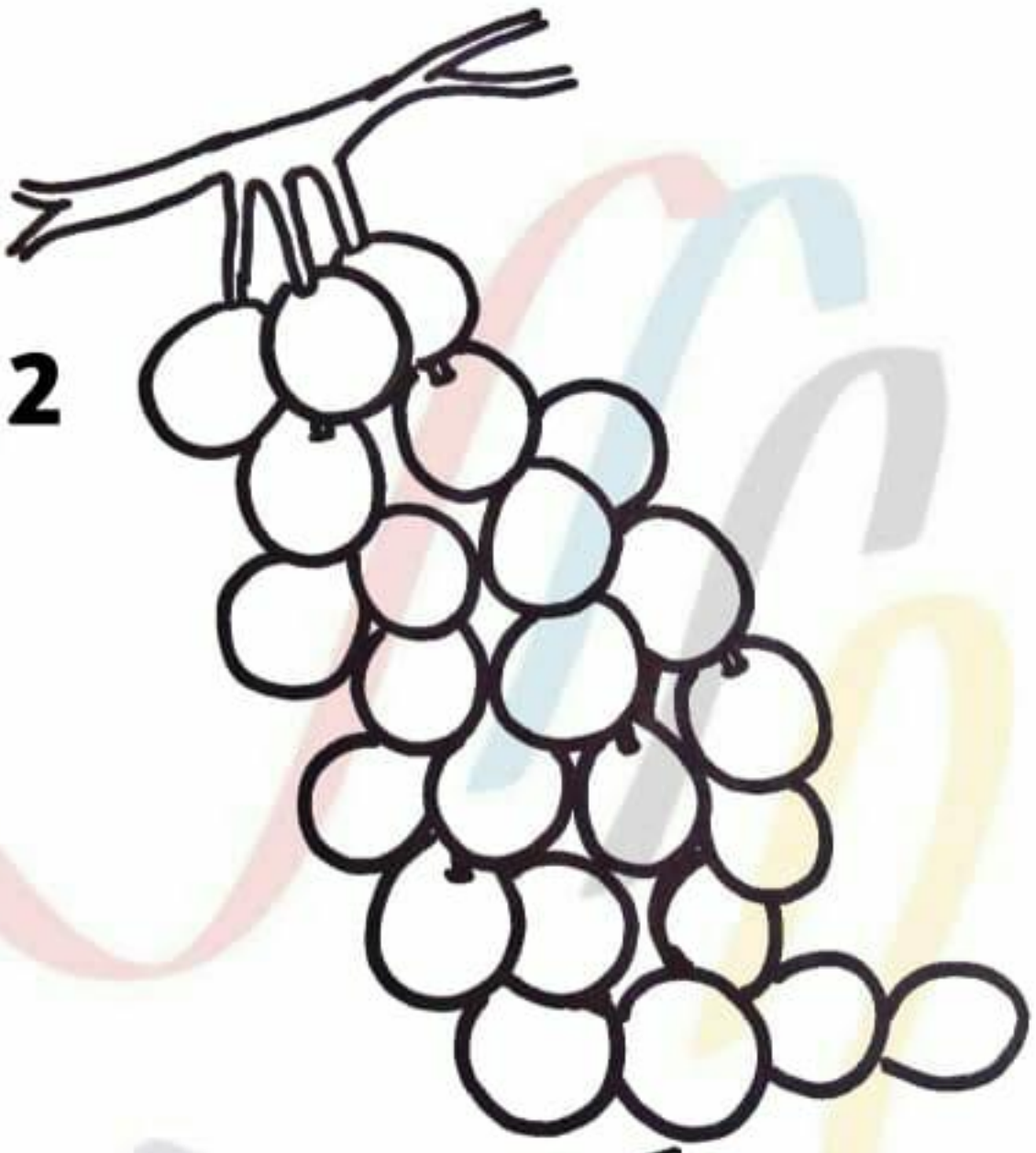

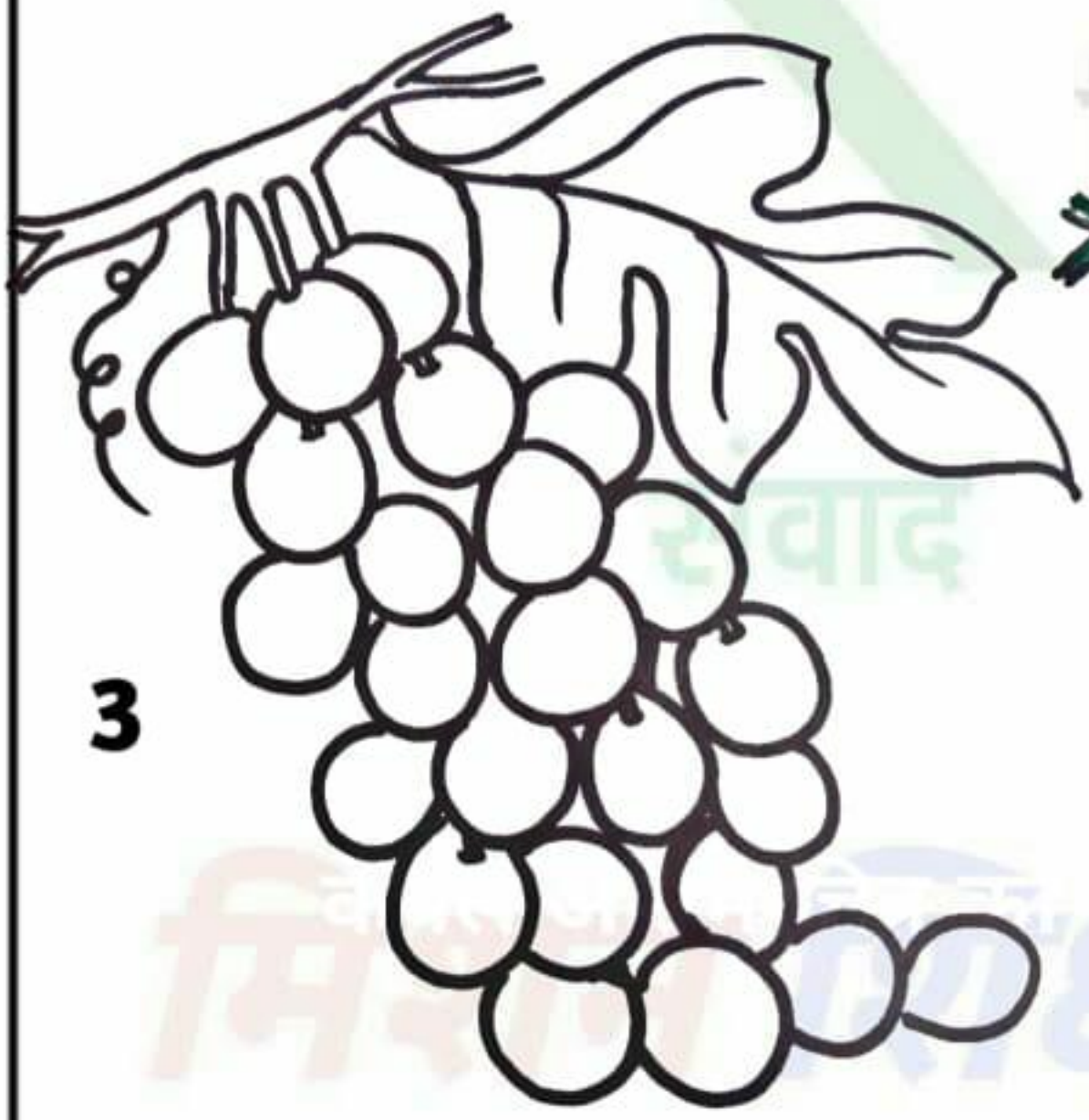

3

4

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह (प्राथमिक विद्यालय इमरता) 9458278429

क्रमांक-01

निम्न चित्रों को ध्यान से देखें और समझें-

भाषा और व्याकरण

1-राम-श्याम फोन पर बातें कर रहे हैं।
2-रवि पत्र लिख रहा है।
3-ट्रैफिक लाइट संकेत दे रही है।

जब हम बोलकर,लिखकर व संकेतों के माध्यम से अपनी बात पहुँचाते हैं तो वह भाषा कहलाती है।

भाषा विचारों को व्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

भाषा के रूप 1-मौखिक भाषा 2-लिखित भाषा 3-सांकेतिक भाषा

1-मौखिक भाषा- जब हम बोलकर अपने विचार प्रकट करते हैं या दूसरों के विचारों को सुनकर समझतें हैं तो वह भाषा का मौखिक रूप कहलाता है।

2-लिखित भाषा- जब हम लिखकर अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं या पढ़कर दूसरों के विचार जानते हैं तो वह भाषा का लिखित रूप कहलाता है।

3-सांकेतिक भाषा- जब हम संकेतों से भावों को व्यक्त करते हैं या समझते हैं तो वह भाषा सांकेतिक भाषा कहलाती है।

लिपि-भाषा लिखने के लिए जिन चिन्हों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें लिपि कहते हैं। विभिन्न भाषाओं की लिपियाँ भिन्न होती हैं।

भाषाएँ	लिपियाँ
1-हिन्दी	देवनागरी
2-अंग्रेजी	रोमन
3- पंजाबी	गुरुमुखी
4- संस्कृत।	देवनागरी
5-अरबी	अरबी

गृहकार्य-1-भाषा समझें व शुद्ध उच्चारण करने का प्रयास करें।

व्याकरण - वह शास्त्र है जिसके द्वारा किसी भी भाषा के शुद्ध रूप का पूर्ण ज्ञान प्राप्त करते हैं।

व्याकरण के तीन अंग हैं

1-वर्ण 2-शब्द 3-वाक्य

वर्ण-भाषा की सबसे छोटी इकाई जिसके खण्ड नहीं किए जा सकते,वर्ण कहलाते हैं। जैसे--अ,आ,च,ट,र,आदि।

शब्द- वर्णों का सार्थक समूह शब्द कहलाता है। जैसे- अमन, भजन आदि।

वाक्य- शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहा जाता है। जैसे- हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

आओ सुन्दर सा अन्नानास बनायें।

1

2

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

3

4

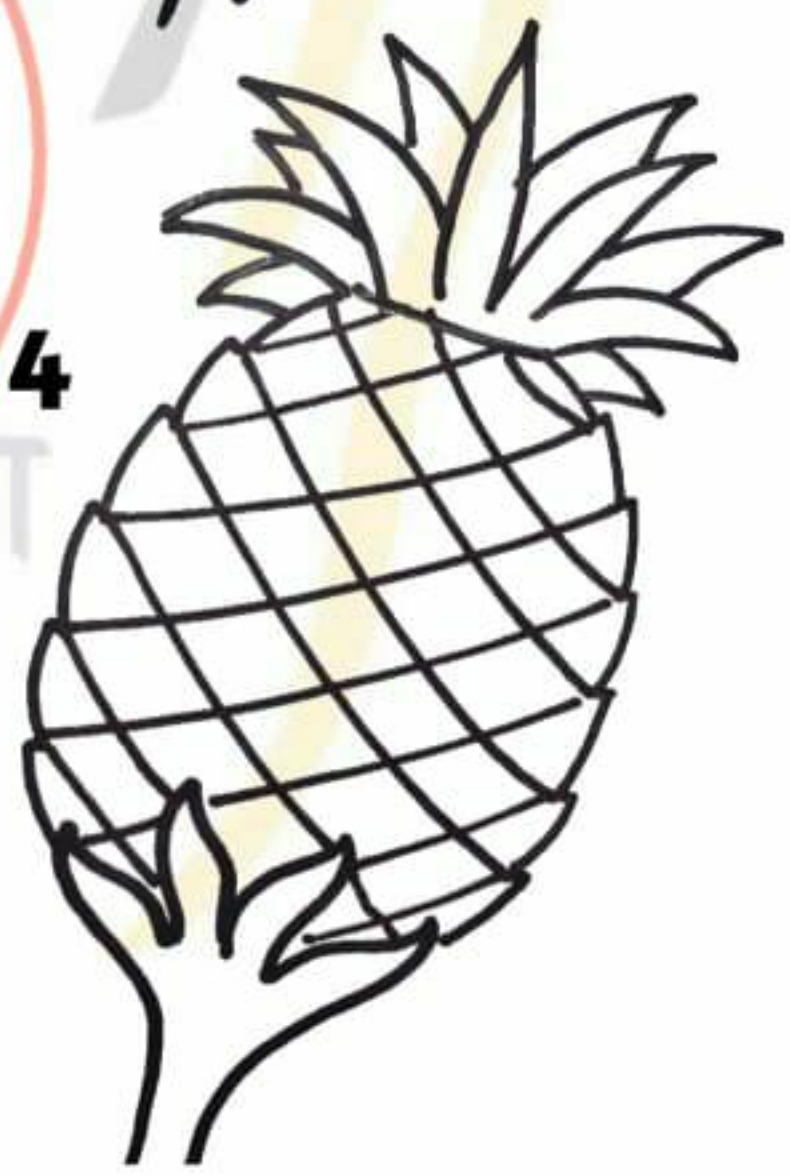

5

सूरजमुखी का फूल बनायें।

1

2

3

4

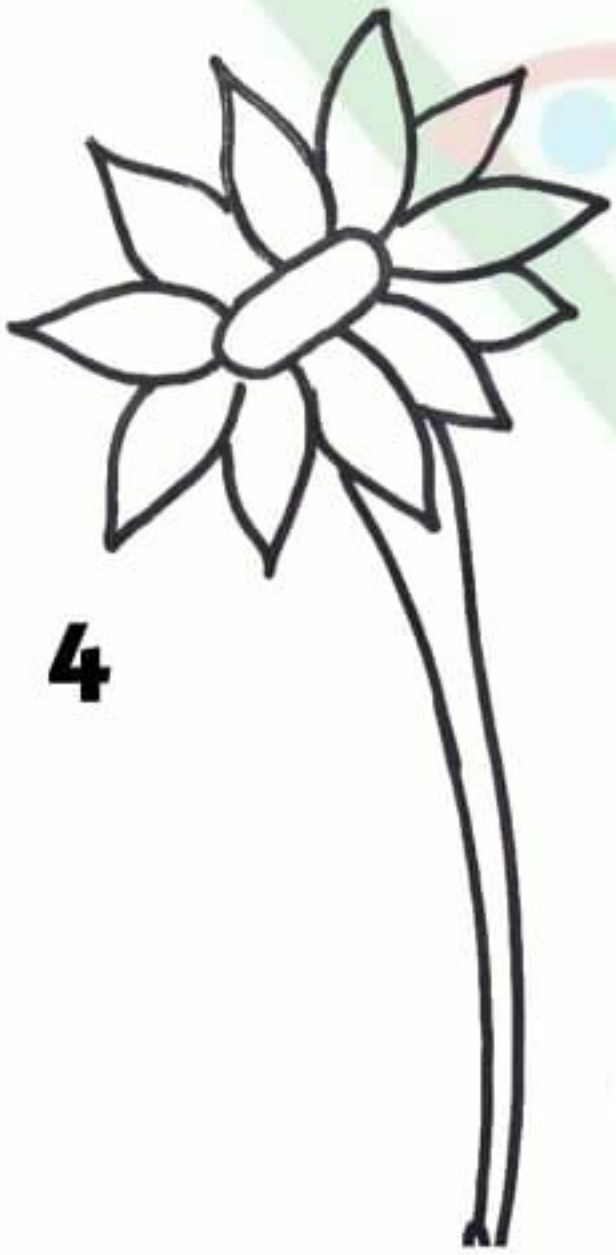

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

5

6

अपशिष्ट पदार्थ

वे पदार्थ एवं वस्तुएं जिनकी आवश्यकता हमें नहीं होती है तथा जिन्हें हम फेंक देते हैं उन्हें हम अपशिष्ट पदार्थ या कचरा कहते हैं।

कचरे के प्रकार---- कचरा तीन प्रकार का होता है।

ठोस अपशिष्ट

(क) सब्जी एवं फलों के छिलके
(ख) टूटे फूटे बर्तन
(ग) कांच
(घ) प्लास्टिक एवं लोहे के अनुपयोगी सामान
(ङ) खेतों से निकलने वाले डंठल एवं भूसी आदि।

द्रव अपशिष्ट

(क) नालियों और सीवर का गन्दा पानी और उर्वरक
(ख) विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला गन्दा और विषैला पानी ।

गैसीय अपशिष्ट

(क) लकड़ी. तथा कोयले से निकलने वाला धुआं ।
(ख) कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं
(ग) कार, बस , ट्रक आदि से निकलने वाला धुआं।
(घ) कुड़ा-करकट एवं मरे हुए जीवों से निकलने वाली गैसों की बदबू ।

ई-कचरा

घर और आफिस से ई-कचरा अर्थात इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी निकलता है जैसे-- कम्प्यूटर, मोबाइल, बैटरी , टी०वी०,फ्रिज, वाशिंग मशीन, ए०सी० आदि

अपशिष्ट संग्रह का प्रभाव

अपशिष्ट या कचरा अगर इकठ्ठे होते रहते हैं तो पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होते हैं तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी

दिसम्बर 1984 में भोपाल यूनियन काबाईड पेस्टीसाइड फैक्ट्री से मेथिल आइसो सायनाइड गैस का रिसाव हुआ। इस गैस ने लाखों को प्रभावित किया तथा हजारों पीड़ितों की मृत्यु हो गई। बहुत लोग अनेक बीमारियों जैसे - कैंसर, सांस फूलना आदि से ग्रसित हो गए।

डी०डी०टी० का प्रयोग

फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नष्ट करने के लिए डी०डी०टी० का प्रयोग किया जाता है।यह रसायन कीटों के साथ-साथ मानव व दूसरे जीवों के लिए भी बहुत हानिकारक है यह लम्बे समय तक मिट्टी में रहता है और नष्ट नहीं होता है

मीनीमाता रोग

पारा एक धातु है जो सामान्य ताप पर तरल अवस्था में रहता है। यह आसानी से वाष्पीकृत होकर वातावरण में घुल जाता है और लम्बे समय तक बना रहता है यह सभी जीवों के तंत्रिका तंत्र, फेफड़ों और गुर्दों को नुकसान पहुँचाता है। 1950 में की एक फैक्ट्री ने मिनीमाता खाड़ी में पारे के कचरे को फेंक दिया।खाड़ी की मछलियों को खाने से वहां के लोग तंत्रिका तंत्र से संबंधित एक रोग से ग्रसित हो गए जिसे मिनीमाता रोग कहा जाता हैं।

गृह - कार्य

मिलान कीजिए

अ	ब
ठोस अपशिष्ट	कम्प्यूटर, मोबाइल
द्रव अपशिष्ट	तंत्रिका तंत्र
गैसीय अपशिष्ट	मेथिल आइसो साइनाइड
ई-कचरा	सीवर का पानी
मीनीमाता	कारखानों का धुआं
भोपाल गैस त्रासदी	पालीथीन

उत्तरमाला पेज- 03

1- मिट्टी (भूमि)
2- वायुमण्डल
3- 70%
4- सूर्य

आइये! आज उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के भेद जानें-

श्वांस वायु की मात्रा के आधार पर किए गए उच्चारण के आधार पर व्यंजनों के दो भेद हैं-

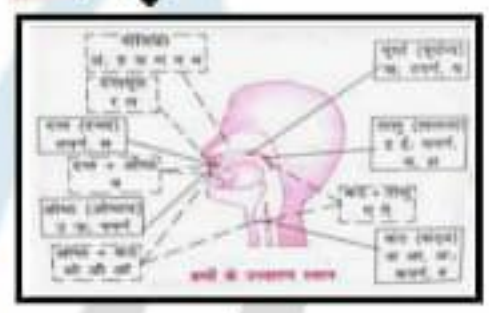

क-अल्पप्राण (Non-aspirated)
ख-महाप्राण (Aspirated)

क- अल्पप्राण- जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय श्वांस में वायु की मात्रा कम और धीमी निकलती है, उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहा जाता है।
जैसे-क्, ग्, ङ्, च्, ज्, द्, ड्, ण्, त्, द्, न्, प्, ब्, म्, य्, र्, ल्, व् ।

ख- महाप्राण- जिन व्यंजनों के उच्चारण में वायु अधिक मात्रा में जोर से निकलती है, उन्हें महाप्राण कहते हैं।
जैसे-ख्, घ, छ्, ठ्, ढ्, थ्, ध्, फ्, भ्, श्, ष्, स्, ह्।

वर्णों का उच्चारण स्थान- मुँह के जिस भाग से जिस वर्ण का उच्चारण किया जाता है, वह उस वर्ण का 'उच्चारण स्थान' कहलाता है।

उच्चारण स्थान	स्वर	वर्ण	ऊष्म	अंतस्थ	नाम
मुँह और नासिका	अ आ	क वर्ग	ह्	××××	कण्ठ्य
तालु	ई	च वर्ग	श्	य्	तालव्य
मूर्धा	ऋ	ट वर्ग	ष्	र्	मूर्धन्य
दन्त	××××	त वर्ग	स्	ल्	दन्त्य
ओष्ठ	उ ऊ	प वर्ग	××××	××××	ओष्ठ्य
कण्ठताल्	ए ऐ	अं ङ् ञ्	××××	××××	कण्ठ्तालव्य
मुख और नासिका	××××	ण् न् म्	××××	××××	मुखनासिक्य
कण्ठोष्ठ	ओ औ	××××	××××	××××	कण्ठोष्ठय
दन्तोष्ठ	××××	××××	××××	व्	दन्तोष्ठ्य

गाइडिंग की उत्पत्ति

24 दिसम्बर, 1909 को क्रिस्टल पैलेस, लंदन में ब्वाय स्काउट की रैली का आयोजन हुआ जिसमें 11000 स्काउट्स एकत्र हुए। जब सब स्काउट्स अपने निश्चित स्थान पर खड़े हुए तभी 7 लड़कियां खाकी वर्दी में मार्च करते हुए आईं और मैदान में खड़ी हो गईं। अचानक उन्हें देखकर आयोजक चकित हो गए। पूछने पर उनके लीडर ने उत्तर दिया कि हम गर्ल स्काउट हैं (क्योंकि उस समय बालकों को ब्वाय स्काउट कहा जाता था)। इन स्वयंभू गर्ल की लगन देखकर लार्ड बेडेन पावेल को लड़कियों के लिए भी संस्था खोलनी पड़ी जिसका नाम रखा गया गर्ल गाइड। इस प्रकार 1910 में लार्ड बेडेन पावेल की बहन मिस एगनिस बेडेन पावेल की सहायता से लड़कियों के लिए गाइडिंग की स्थापना हुई।

बहुत शीघ्र ही ब्वॉय स्काउट व गर्ल गाइड आन्दोलन विश्व के अनेक देशों में फैल गया। जहाँ-जहाँ अंग्रेजों का शासन था, वहां अंग्रेज बच्चों के लिए स्काउटिंग व गाइडिंग शुरू हो गई। अमेरिका में स्काउट आन्दोलन शुरू करने का श्रेय जे0डी0 विलियम वायस को है। विलियम इंग्लैण्ड में एक बालक (जो स्काउट था) के सेवा कार्य से प्रभावित हुए थे।

भारत में स्काउट गाइड का प्रारम्भ

भारत में वर्ष 1909 में स्काउटिंग और वर्ष 1911 में गर्ल गाइडिंग आरम्भ हुई। बंगलौर में पहला स्काउट ट्रुप और पहली गाइड कम्पनी खुली। अनेक शहरों में ट्रुप खुले जिनका सीधा सम्पर्क लंदन से था, परन्तु ये संस्थाएँ विदेशी बच्चों के लिए थीं।

श्रीमती एनी बेसेन्ट ने भारतीय बच्चों को भी स्काउटिंग में प्रवेश देने के लिए दिल्ली लेजिस्लेटिव एसेम्बली में जोरदार भाषण दिया। पंडित मदन मोहन मालवीय और डॉ0 हृदय नाथ कुंजरू ने भी इसके लिए प्रयास किया, परन्तु अंग्रेज सरकार पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। भारतीय बच्चों के लिए स्काउटिंग का द्वार बन्द ही रहा। अतः स्वतंत्र रूप से स्काउटिंग से मिलती-जुलती संस्थाएँ भारतीय बच्चों के लिए खोली गईं, जिसमें 1914 में एनी बेसेन्ट ने "सन्स एण्ड डॉटर्स ऑफ इण्डिया" नामक संस्था खोली, कुछ अन्य लोगों ने भी संस्थाएँ खोलीं। शाहजहाँपुर में पंडित श्रीराम बाजपेयी ने वर्ष 1914 में "लोक सेवा बालक दल" की स्थापना की जिसके अध्यक्ष मालवीय जी और सचिव पंडित हृदय नाथ कुंजरू थे। जे0 आई0 आईजक ने मद्रास में "ब्वाय शिकारी मूवमेन्ट" चलाया, वी0 आर0 चेयरमैन ने "स्कूल ब्वांॅय लीग ऑफ ऑनर" संस्था बनाई। भागलपुर (बिहार) में "ब्वॉयज लीग फॉर मोशन सर्विस" खुली। सेन्ट्रल हिन्दू स्कूल, बनारस के हेडमास्टर डॉ0 जी0एस0 आशुतोष ने "कैडेट कोर" नामक संस्था खोली।

अभ्यास प्रश्न

1- अमेरिका में स्काउट आन्दोलन की शुरुआत किसने की थी?
2- प्रथम व्वाय स्काउट रैली का आयोजन किस वर्ष हुआ था?
3- भारत में स्काउट की शुरुआत कब हुई?

उत्तरमाला पेज 3

1. राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पावेल
2. स्वयं करें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों मोर बनायें।

केवल अंतिम चित्र को कॉपी पर बनायें।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि० फुगाना–2 9458278429

अपशिष्ट का निस्तारण

पर्यावरण में बढ़ता प्रदूषण मानव व अन्य जीवधारियों के लिए सबसे बड़ा ख़तरा है अतः कचरे का सही प्रबंधन तथा उसका निस्तारण करना स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के लिये बहुत जरूरी है इसके लिए **4R** बताए गए हैं

ठोस अपशिष्ट पदार्थों का निस्तारण

1- जलाकर

अस्पतालों से निकलने वाला ठोस कचरा संक्रमित होता है।इसलिए इसे विशेष प्रकार की भट्टियों में जलाना चाहिए।

2- भूमि भरण

ठोस कचरे को बंजर भूमि में दबा देना चाहिए

3- कम्पोस्टिंग

फलों एवं सब्जियों के छिलके, पत्तियाँ ,जानवरों का मल-मूत्र आदि गड्ढे में दबा कर मिट्टी से ढक देना चाहिए । यह कचरा **2-3** महीनों में जैविक खाद में बदल जाता है इसे कम्पोस्टिंग कहते हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर हरे और नीले रंग के कूड़ेदान रखे जाते हैं हरे रंग के कूड़ेदान में गीला कचरा तथा नीले रंग में सूखा कचरा डाला जाता है।

गीला कचरा सूखा कचरा

द्रव अपशिष्ट का निस्तारण

द्रव अपशिष्ट को उपचारित करने के बाद जल स्रोतों में मिलाना चाहिए। शहरों में सीवेज सिस्टम से गंदे पानी का निकास होता है जब कि ग्रामीण क्षेत्रों में सोकपिट बनाया जाता है

गैसीय अपशिष्ट का निस्तारण

ईंट भट्ठों/उद्योगों की चिमनियों को ऊँचा करके तथा उनमें धूम्र अवक्षेपक लगाकर तथा घरेलू ईधन के रूप में एल०पी०जी० का प्रयोग करके गैसीय अपशिष्ट का निस्तारण किया जाता है।

गृह कार्य

1- R1 = _____. 2- R4=_____
3-कचरे का सही प्रबंधन एवं निस्तारण ____एवं_____ के लिए जरूरी है।
4- नीले रंग का कूड़ेदान ____कचरा5- हरे रंग का कूड़ेदान _____ कचरा
6- उद्योगों की चिमनियों को ऊँचा करके उसमें _____ लगाना चाहिए।

उत्तरमाला पेज -04

कबड्डी

कबड्डी एक ऐसा खेल है, जिसमे कई खेलें मिश्रित हैं. इसमें रेसलिंग, रग्बी आदि खेलों का मिश्रण देखने मिलता है, इसका मुकाबला दो दलों के बीच होता, ये जहाँ एक तरफ बहुत ही ज़बरदस्त खेल है वहीँ दूसरी तरफ़ कई कसरतों का मेल भी है, समय के साथ इस खेल का बहुत विकास हुआ है। आज ये ज़िला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेला जा रहा है। बहुत बड़े पैमाने पर खेले जाने की वजह से कई नौजवान कबड्डी में दिलचस्पी भी लेने लगे हैं, और अपने क्षेत्र के कबड्डी क्लब से जुड़कर कबड्डी के ज़रिये अपना भविष्य और अपनी पहचान बनाने की कोशिश में लगे है। इस खेल को विभिन्न जगहों में विभिन्न नाम से जाना जाता है। जैसे तमिलनाडु में कबड्डी को चादूकट्टू, बंगलादेश में हद्दू, मालद्वीप में भवतिक, पंजाब में कुड्डी, पूर्वी भारत में हू तू तू, आंध्र प्रदेश में चेडूगुडू के नाम से जाना जाता है. कबड्डी शब्द मूलतः एक तमिल शब्द 'काई- पीडी' शब्द से बना है जिसका मतलब है हाथ थामे रहना, तमिल शब्द से निकलने वाला शब्द कबड्डी उत्तर भारत में बहुत मशहूर है।

इस खेल का उद्भव प्राचीन भारत के तमिलनाडू में हुआ था। आधुनिक कबड्डी इसी का संशोधित रूप है, जिसे विभिन्न जगहों पर अन्य कई नामो से जाना जाता है। ये विश्वस्तरीय ख्याति सन 1936 में बर्लिन ओलिंपिक से मिली। सन 1938 में इसे कलकत्ता में राष्ट्रीय खेलों में सम्मिलित किया गया। सन 1950 में अखिल भारतीय कबड्डी फेडरेशन का गठन हुआ और कबड्डी खेले जाने के नियम मुक़र्रर किये गये। इसी फेडरेशन को 'अमैच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया' के नाम से सन 1972 में पुनर्गठित किया गया। इसका प्रथम राष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में इसी साल खेला गया।

कबड्डी को जापान में भी बहुत ख्याति मिली। वहाँ इस खेल को सुंदर राम नामक भारतीय सन 1979 में सबके सामने रखा। सुंदर राम उस समय 'अमैच्योर कबड्डी' के एशियाई फेडरेशन की जानिब से इस खेल को लेकर जापान गये थे। वहाँ उन्होंने लोगों के साथ मिल कर दो महीने तक इसका प्रचार किया। सन 1979 में इस खेल का भारत और बांग्लादेश के बीच का मुकाबला भारत में ही खेला गया। सन 1980 में इस खेल के लिए एशिया चैंपियनशिप का आग़ाज़ किया गया। जिसमे भारत ने बांग्लादेश को हरा कर इस टूर्नामेंट को जीता। इस टूर्नामेंट में इन दो देशों के अलावा नेपाल, मलेशिया और जापान भी थे। इस खेल को एशियाई खेल में सन 1990 में शामिल किया गया। इस दौरान इस खेल को बीजिंग में कई अन्य देशों के बीच मुकाबले के साथ खेला गया।

उत्तरमाला पेज 4

1. जे0 डी0 विलियम वायस
2. 24 दिसम्बर 1909 लंदन में।
3. 1909 में।

गतिविधि

मिलान करें -

तमिलनाडु	हू तू तू
बंगलादेश	कुड्डी
मालदीव	हद्दू
पंजाब	भवतिक
पूर्वी भारत	चाटूकट्टू

मिशन शिक्षण संवाद

झोपड़ी बनायें और रंग भरें।

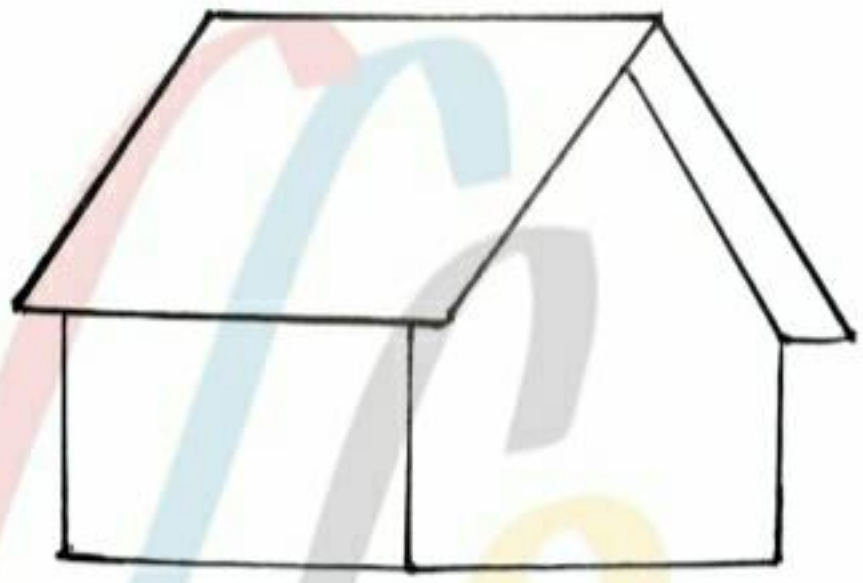

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- नीरा चौहान प्रा०वि०फुगाना-2 ,मुजफ्फरनगर 9458278429

मिशन शिक्षण संवाद

अपशिष्ट पदार्थ

वे पदार्थ एवं वस्तुएं जिनकी आवश्यकता हमें नहीं होती है तथा जिन्हें हम फेंक देते हैं उन्हें हम अपशिष्ट पदार्थ या कचरा कहते हैं।
कचरे के प्रकार---- कचरा तीन प्रकार का होता है।

ठोस अपशिष्ट

(क) सब्जी एवं फलों के छिलके
(ख) टूटे फूटे बर्तन
(ग) कांच
(घ) प्लास्टिक एवं लोहे के अनुपयोगी सामान
(ङ) खेतों से निकलने वाले डंठल एवं भूसी आदि।

द्रव अपशिष्ट

(क) नालियों और सीवर का गन्दा पानी और उर्वरक
(ख) विभिन्न उद्योगों से निकलने वाला गन्दा और विषैला पानी ।

गैसीय अपशिष्ट

(क) लकड़ी, तथा कोयले से निकलने वाला धुआं ।
(ख) कारखानों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं
(ग) कार, बस , ट्रक आदि से निकलने वाला धुआं।
(घ) कुड़ा-करकट एवं मरे हुए जीवों से निकलने वाली गैसों की बदबू ।

ई-कचरा

घर और आफिस से ई-कचरा अर्थात इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी निकलता है जैसे-- कम्प्यूटर, मोबाइल, बैटरी , टी०वी०,फ्रिज, वाशिंग मशीन, ए०सी० आदि

अपशिष्ट संग्रह का प्रभाव

अपशिष्ट या कचरा अगर इकट्ठे होते रहते हैं तो पर्यावरण के लिए बहुत हानिकारक होते हैं तथा मनुष्य के स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी

दिसम्बर 1984 में भोपाल यूनियन काबाईड पेस्टीसाइड फैक्ट्री से मेथिल आइसो सायनाइड गैस का रिसाव हुआ। इस गैस ने लाखों को प्रभावित किया तथा हजारों पीड़ितों की मृत्यु हो गई। बहुत लोग अनेक बीमारियों जैसे - कैंसर, सांस फूलना आदि से ग्रसित हो गए।

डी०डी०टी० का प्रयोग

फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नष्ट करने के लिए डी०डी०टी० का प्रयोग किया जाता है।यह रसायन कीटों के साथ-साथ मानव व दूसरे जीवों के लिए भी बहुत हानिकारक है यह लम्बे समय तक मिट्टी में रहता है और नष्ट नहीं होता है

मीनीमाता रोग

पारा एक धातु है जो सामान्य ताप पर तरल अवस्था में रहता है। यह आसानी से वाष्पीकृत होकर वातावरण में घुल जाता है और लम्बे समय तक बना रहता है यह सभी जीवों के तंत्रिका तंत्र, फेफड़ों और गुर्दों को नुकसान पहुँचाता है। 1950 में की एक फैक्ट्री ने मिनीमाता खाड़ी में पारे के कचरे को फेंक दिया।खाड़ी की मछलियों को खाने से वहां के लोग तंत्रिका तंत्र से संबंधित एक रोग से ग्रसित हो गए जिसे मिनीमाता रोग कहा जाता है।

गृह - कार्य

मिलान कीजिए

अ	ब
ठोस अपशिष्ट	कम्प्यूटर, मोबाइल
द्रव अपशिष्ट	तंत्रिका तंत्र
गैसीय अपशिष्ट	मेथिल आइसो साइनाइड
ई-कचरा	सीवर का पानी
मीनीमाता	कारखानों का धुआं
भोपाल गैस त्रासदी	पालीथीन

उत्तरमाला पेज- 03

1- मिट्टी (भूमि)
2- वायुमण्डल
3- 70%
4- सूर्य

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर (लखनऊ),शीला सिंह (गाज़ीपुर)

स्काउट गाइड की जानकारी

वर्तमान स्काउटिंग गाइडिंग में प्रवेश से लेकर राष्ट्रपति अवार्ड तक निर्धारित विषयों व क्रियाकलापों में अधिकांश तथ्य हमारे देश में पूर्व से ही विद्यमान थे। हमारे ऋषि, मुनि, आचार्य प्रकृति की गोद में आश्रम बनाकर पठन-पाठन करते थे। उस समय अनेक ऐसी दक्षताएँ जिनका आधुनिक स्काउटिंग में समावेश किया गया है, का प्रयोग किया जाता था। उदाहरण के लिए कुटिया या तम्बू बनाना, सामग्री रखने के लिए गैजेट्स बनाना, बिना बर्तन के खाना बनाना, प्रकृति अध्ययन, पशु-पक्षियों का अध्ययन एवं उनसे मित्रता, टोली निर्माण, रात में अलाव जलाकर मनोरंजन करना आदि।

आधुनिक स्काउट गाइड आन्दोलन के जन्मदाता लार्ड बेडेन पावेल जिनका पूरा नाम राबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बेडेन पावेल था, अंग्रेजी सेना के अधिकारी थे। उन्होंने बाल्यकाल से लेकर फौज के विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए विश्व के अनेक देशों में अपनी फौज के साथ रहकर युद्धों में भाग लेकर जो कुछ भी देखा एवं अनुभव किया, उसी से प्रेरित होकर स्काउटिंग का शुभारम्भ किया।

अभ्यास प्रश्न

प्र.1 स्काउटिंग के जन्मदाता का पूरा नाम क्या है ?

प्र. 2 स्काउट गाइड के प्रतीक चिन्ह का चित्र बनाएं।

उत्तरमाला पेज 2

1. मानसिक, नैतिक एवं सामाजिक।
2. 2 व 3 का उत्तर स्वयं लिखें।
4. (क) मानसिक
(ख) शारीरिक, मानसिक
(ग) जूडो, कराटे

प्रमुख घटनाक्रम

1. बेडेन पावेल बाल्यकाल में अपने भाइयों के साथ टोली बनाकर बाहरी जीवन, नौका चालन, समुद्र में
तैरना, शिविर लगाना, खाना पकाना व साहसिक क्रिया कलापों में भाग लेते थे। इस टोली के नायक उनके बड़े भाई थे।
2. बेडेन पावेल का स्कूल चार्टर हाउस जो प्रकृति की गोद में स्थित था, कक्षा कार्य न होने या अवकाश
के क्षणों में बेडेन पावेल जंगल में घुस जाया करते थे। वहीं कौतूहलवश व आनन्द के लिए पशु-पक्षियों को पकड़ने का प्रयत्न करना, उनकी हरकतों व बोलियों व उनके बनाए गए पद चिह्नों का अध्ययन करना, किसी भी चीज को देखकर उसका मतलब निकालना, अपने को छिपाकर, साँस रोककर, जमीन पर लेटकर रेंगते हुए उनका पीछा करना आदि अनेक कार्य करते थे, जो आगे चलकर विभिन्न युद्धों में बड़े सहायक सिद्ध हुए।
3. सेना के अफसर के रूप में भारत, अफ्रीका आदि देशों में वहाँ के रहने वाले लोगों के खानपान, रहन-सहन, रीति-रिवाजों, विभिन्न कबीलों की व्यवस्थाओं व उनके नियमों आदि को जानने का अवसर बेडेन पावेल को मिला।
4. नाइट्स जो एक तरह के स्काउट्स ही होते थे, उनकी नियमावली व कार्यकलापों को देखा।
5. 1899 में दक्षिण अफ्रीका के मेफकिंग, जो अंग्रेजों के अधीन था, उस पर बोअर (एक कबीला) ने हमला कर दिया। यहाँ अंग्रेज सैनिकों की संख्या काफी कम थी तथा हमलावर भारी संख्या में तथा साहसी थे, से मुकाबला करने की जो युक्ति प्रयोग में लाई गई, वही स्काउटिंग की उत्पत्ति का असली कारण बनी।

व्यंजन (Consonants) क्रमांक-04

व्यंजन- जिन वर्णों का उच्चारण करने में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, व्यंजन कहलाते हैं। ये स्वतंत्र नहीं होते है। जब किसी व्यंजन से स्वर हटा दिया जाता है तो उसके नीचे हलंत चिह्न(्) लगा दिया जाता है।
सामान्यतया सभी व्यंजनों में'अ' स्वर मिला होता है;
जैसे-क्+अ=क।

व्यंजन के भेद-
क- स्पर्श व्यंजन ख-अंतस्थ व्यंजन ग-ऊष्म व्यंजन

क- स्पर्श व्यंजन- वर्णमाला के 'क' से 'म' तक के व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं।
इन्हें पाँच वर्गों में बाँटा गया है।प्रत्येक वर्ग में पाँच वर्ण हैं।
प्रत्येक वर्ग के प्रथम वर्ण के नाम पर उस वर्ग का नाम रखा गया है; जैसे-'क'वर्ग, 'च' वर्ग, 'ट' वर्ग।

ख-अंत:स्थ व्यंजन- ये चार होते हैं-
य र ल व
ग-ऊष्म व्यंजन- ये भी चार होते हैं-
श ष स ह

उच्चारण स्थान	व्यंजन						वर्ग	
कंठ	क	ख	ग	घ	ङ		(क वर्ग)	स्पर्श व्यंजन
तालु	च	छ	ज	झ	ञ		(च वर्ग)	
मूर्धा	ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़ ढ़	(ट वर्ग)	
दंत	त	थ	द	ध	न		(त वर्ग)	
ओष्ठ	प	फ	ब	भ	म		(प वर्ग)	
	य	र	ल	व			अंतस्थ व्यंजन	
	श	ष	स	ह			ऊष्म व्यंजन	

संयुक्त व्यंजन- जब दो व्यंजन परस्पर जुड़कर एक नया रूप ले लेते है, तब वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
जैसे-क्ष= क्+ ष्+अ, त्र=त्+र्+अ
ज्ञ=ज्+ञ्+अ, श्र=श्+र्+क

गृहकार्य-
क-व्यंजन कितने प्रकार के होते हैं?
ख-ऊष्म व्यंजन में कौन-कौन से वर्ण आते हैं?
ग-स्मरण रखें व उत्तरपुस्तिका में लिखें-
घ-संयुक्त व्यंजन के नाम लिखें-